बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 24 अगस्त 2026 | दिन - सोमवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 208 | मूल्य - 5 रुपये

ओडिशा में भारी बारिश के बीच नदी में अचानक आई बाढ़..

भुवनेश्वर, (भाषा)। ओडिशा में भारी बारिश के बीच रविवार को राज्य के कालाहांडी जिले में हाती नदी के तटबंधों में अचानक बाढ़ आने की सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि इस स्थिति को देखते हुए दो अन्य जिला प्रशासन ने विद्यालयों में अगले दो दिन के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से ओडिशा के कई जिलों में 26 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि इंद्रावती परियोजना के मंगलपुर बैराज से 412 क्यूसेक पानी हाती नदी में छोड़ा गया। उन्होंने बताया कि हाती नदी पहले से ही उफान पर थी, जिसकी वजह से आज सुबह इसके तटबंधों में अचानक बाढ़ आ गई। एक अधिकारी ने बताया कि कालाहांडी जिले के कलमपुर प्रखंड के तहत तलपाड़ा, बांकापाला और जामपदार गांवों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया। प्रखंड विकास अधिकारी (बीडीओ) विजय कुमार मरांडी के नेतृत्व में प्रशासन ने पारुआगुडा और बोडलबंध गांवों से 293 लोगों को सुरक्षित निकाला और उन्हें मुफ्त राशन उपलब्ध कराया। बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए विभिन्न जिला प्रशासन ने घोषणा की है कि नवरंगपुर के सभी विद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्र तथा भद्रक के संवेदनशील इलाकों के 89 विद्यालय सोमवार को बंद रहेंगे। राज्य के कई इलाकों में आज सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई। इनमें से कम से कम दो स्थानों पर 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई।

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत वीजा की अड़चनें दूर होने के बाद 150 पाकिस्तानी दुल्हनें भारत पहुंचीं..

नागपुर, (भाषा)।

वाघा-अटारी बॉर्डर से आसानी से वीजा मिलने और आवाजाही की सुविधा के कारण पाकिस्तान के सिंध प्रांत के परिवार सालों से अपनी बेटियों की शादी भारत में करते आ रहे थे, लेकिन भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करने और सिंधी लोगों के लिए वीजा एवं सड़क मार्ग बंद करने के बाद यह स्थिति बदल गई। इस फैसले के चलते कम से कम 150 पाकिस्तानी महिलाओं की शादियां अटक गईं। इन महिलाओं की भारत में सगाई हो चुकी थी और वे अपने ससुराल में बसने का इंतजार कर रही थीं।

नागपुर के एक सामुदायिक नेता राजेश झांबिया ने रविवार को कहा, ÷आखिरकार लंबा इंतजार खत्म हो गया। उन्होंने बताया कि काफी प्रयासों के बाद केंद्र ने सिंधी महिलाओं और उनके रिश्तेदारों को शादी के लिए भारत आने के वास्ते वीजा जारी किए। पाकिस्तान से आए सिंधी प्रवासियों के लिए काम करने वाले झांबिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, दुल्हन और उनके रिश्तेदार मस्कट, दुबई, श्रीलंका और अन्य देशों के रास्ते भारत पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सिंधी समुदाय के लोग ऐसी शादियों के लिए पंजाब में वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत आते थे। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद सब कुछ बदल गया क्योंकि सरकार ने अटारी मार्ग से भारत आने की योजना बना रहे सभी लोगों के वीजा खारिज कर दिए।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत द्वारा 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के जवाब में चलाया गया सैन्य अभियान था। पहलगाम हमले में 26 भारतीय नागरिकों की मौत हो गयी थी। झांबिया ने कहा कि इसके बाद उन्होंने रायपुर स्थित संत युधिष्ठिरलाल शदानी से संपर्क किया, जो पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी में स्थित प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल शदानी दरबार के आध्यात्मिक प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि शदानी दरबार ने उन पाकिस्तानी महिलाओं की सूची तैयार करना शुरू किया, जिनकी भारत में पुरुषों से सगाई हो चुकी थी। उन्होंने कहा, करीब 150 दुल्हनें थीं, जिनकी शादी नागपुर, रायपुर, जोधपुर, पुणे और भारत के अन्य शहरों में होनी थी। उन्होंने कहा कि मंदिर ने इन महिलाओं और उनके परिवारों के भारत आने की सुविधा के लिए सूची केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी और वीजा जारी करने का अनुरोध किया। झांबिया के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान से आने वाले लोगों को भारत में प्रवेश की अनुमति इस शर्त पर दी कि उन्हें हवाई मार्ग से यात्रा करनी होगी। उन्होंने कहा, इस साल अप्रैल से पाकिस्तान की 150 दुल्हनें और उनके परिवार शादियों के लिए दुबई, ओमान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अन्य देशों के रास्ते भारत आ चुके हैं। इनमें नागपुर के 15 मामले शामिल हैं। झांबिया ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसी करीब 300 और महिलाएं हैं जो भारत आने का इंतजार कर रही हैं और उन्होंने भारत सरकार से उन्हें भी वीजा जारी करने का अनुरोध किया है।

हिमाचल में 125 सड़कें बंद, बारिश 29 अगस्त तक जारी रहने का अनुमानः मौसम विभाग

शिमला, (भाषा)। हिमाचल प्रदेश में बारिश के कारण कुल 125 सड़कें बंद हो गई और मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ। शिमला मौसम विभाग ने 29 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान लगाया है। भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया, जिससे मंडी शहर के बीचों-बीच स्थित इंदिरा मार्केट का ऐतिहासिक घंटाघर परिसर एक तालाब में बदल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंडी-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोट्रोपी से लगभग एक किलोमीटर दूर 'चमड़ा मोड़' के पास सड़क का एक हिस्सा और एक दीवार ढह गई, जिससे यातायात बाधित हो गया। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, शनिवार शाम तक राज्य में 125 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद थीं। इसके अलावा 33 बिजली ट्रांसफार्मर और 20 पेयजल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। मंडी जिले में 62 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 31, शिमला में 10, चंबा और कांगड़ा में आठ-आठ, ऊना में चार तथा बिलासपुर और लाहौल-स्पीती में एक-एक सड़क बंद है। राज्य के कई हिस्सों में शनिवार शाम से पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश दर्ज की

मुख्यमंत्री के नाम से फर्जी पत्र तैयार करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

आलीराजपुर (मप्र), (भाषा)।

मध्यप्रदेश के आलीराजपुर जिले की एक आयुष चिकित्सा अधिकारी के तबादले के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम से फर्जी पत्र तैयार करने के मामले में पुलिस ने रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह

जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक रघुवंश कुमार सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. राजेश अतुलकर ने शिकायत दर्ज कराई कि 21 जुलाई को उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने वॉट्सऐप के जरिये फर्जी पत्र भेजा था। पुलिस अधीक्षक के अनुसार सीएमएचओ कार्यालय को संबोधित पत्र मुख्यमंत्री के नाम से तैयार किया गया था और इसमें मुख्यमंत्री के फर्जी 'लेटरपैड' व तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने बताया कि पत्र में जिले की आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. निर्मला निगवाल का उदयगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सोंडवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरण किए जाने के आवेदन का हवाला दिया गया था। सिंह ने बताया कि फर्जीवाड़े के इस मामले में सीहोर जिले के मुकेश भोंसले (33) को गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से मोबाइल फोन और टैबलेट जब्त किए गए। पुलिस निरीक्षक सोनू सितोले ने बताया कि जांच में आयुष चिकित्सा अधिकारी के वाहन चालक नवल सिंह द्वारा भोंसले को यूपीआई के जरिये 15,000 रुपये का भुगतान किए जाने के बारे में पता चला है। उन्होंने बताया कि आयुष चिकित्सा अधिकारी व उनके वाहन चालक की भूमिका की जांच की जा रही है और जांच के बाद उचित कदम उठाए जाएंगे।

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध डिस्ट्रीब्यूटर वाधवानी फटाखा बाजार एवं विजय सेल्स में कार्य के लिये मार्केटिंग सेल्समेन, पुरुष एवं महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। संपर्क करें.. 9425639000, 9300039839

आवश्यकता है..

बालाघाट शहर के प्रसिद्ध गपशप रेस्टॉरेंट (केशर प्लाजा कॉम्प्लेक्स, हनुमान चौक) में वेटर, हेल्पर की आवश्यकता है। संपर्क 9301210805, 7000671780

नाथू ला के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा हुई संपन्न, अंतिम जत्थे के तीर्थयात्री लौटे

गंगटोक, (भाषा)।

सिक्किम के नाथू ला मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा रविवार को संपन्न हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 10 जत्थों में कुल 464 तीर्थयात्रियों ने यह

यात्रा पूरी की। यह यात्रा 20 जून को शुरू हुई थी। तीर्थयात्रियों के अंतिम जत्थे के गंगटोक लौटने के साथ यह तीर्थयात्रा संपन्न हो गई। तीर्थयात्रियों ने चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत में स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील के दर्शन किए। वापसी पर सिक्किम पर्यटन विकास निगम (एसटीडीसी) के प्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों का स्वागत और अभिनंदन किया। एसटीडीसी के प्रधान मुख्य कार्यकारी अधिकारी गुर्मे योसाल ने कहा कि लौटने के बाद तीर्थयात्रियों ने अपने अनुभव साझा किए।

तीर्थयात्रियों ने इस यात्रा को आध्यात्मिक और यादगार अनुभव से पूर्ण बताया तथा सहयोग के लिए केंद्र सरकार, एसटीडीसी, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और अन्य एजेंसियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जग प्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और ताजा खबरों से जुड़ें।

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा
मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल पुलिस कैंप में 02 आदिवासी परिवारों से सोफे पर बैठकर आराम से मिले और चल दिये.. - विधायक संजय उईके

बैहर विधायक संजय उईके ने लगाए भाजपा सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल पर आदिवासीयों की मौतों पर संवेदनहीनता एवं भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देने के आरोप..

बोले.. 24 बच्चों की मौत का सच छिपाने का किया जा रहा प्रयास..

बैगा आदिवासीयों के हितों के लिये जारी रहेगा संघर्ष..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के बैहर आदिवासी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बैगा ग्रामों में स्वास्थ्य में कमियों एवं कुपोषण व अन्य संक्रामक बिमारीयों के कारण अनेक बैगा आदिवासी बच्चों की मौत हो गई। इस मामले में प्रशासन की ओर से 08 बच्चों की मौत हो गई, जबकि कांग्रेस द्वारा 24 बच्चों की मौत की बात कही जा रही है। विगत एक महीने से आदिवासी बच्चों की मौत का मामला सुर्खियों में है, तथा प्रदेश एवं

संभागस्तरीय टीम के माध्यम से क्षेत्र में पहुंचकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 21 अगस्त को मध्यप्रदेश शासन के आदिवासी विभाग के मंत्री कुंवर विजय शाह एवं 22 अगस्त को उप मुख्यमंत्री एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल का बैहर विधानसभा क्षेत्र में आगमन हुआ, तथा उप मुख्यमंत्री ने मछुरदा में पुलिस कैम्प में आदिवासी परिवारों से मुलाकात कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों का जायजा लेकर अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान करते हुए जिला टीकाकरण अधिकारी तथा जिला मलेरिया अधिकारी का स्थानांतरण भी किया। उप मुख्यमंत्री एवं आदिवासी मंत्री के दौरा कार्यक्रम के बाद आज 23 अगस्त को बैहर विधानसभा के विधायक संजय उईके ने सरकार के दोनों मंत्रियों पर आदिवासीयों की उपेक्षा करने के आरोप लगाए हैं।

विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय उईके ने कहा कि मंत्री कुंवर विजय शाह एवं एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आए, लेकिन दोनों ही मंत्रीयों का दौरा सिर्फ औपचारिक दौरा कार्यक्रम साबित हुआ। वास्तव में दो मंत्रीयों के दौरे के बावजूद भी ना तो बच्चों की मौत की सहीं पुष्टि की गई, ना ही मृतक परिवारों को आर्थिक सहायता तय की गई, ना ही स्थानीय प्रतिनिधियों को बुलाकर उनकी राय लेकर स्वास्थ्य सेवाओं को दुरूस्त करने के संबंध में रायशुमारी भी की गई, बल्कि मंत्री कुंवर विजय शाह आए तो उनके भ्रमण के लिये एक सड़क का निर्माण कर दिया गया, जबकि दूसरे उप मुख्यमंत्री जी तो आए और पुलिस कैम्प मछुरदा में बंद कमरे में सोफे पर बैठकर दो आदिवासी परिवारों से मिलकर औपचारिकता निभाकर चले गए।

विधायक संजय उईके ने कहा कि कुंवर विजय शाह आदिमजाती कल्याण मंत्री होने के बावजूद आदिवासीयों के हित की बात करने की बजाए, ताि पिड़ित परिवारों से मिले बिना, तथा किन कारणों से बच्चों की मौत हुई, यह जाने बिना तथा गांव वालों और परिवारजनों से चर्चा किये बिना निकल गए, और आदिवासी पिड़ित परिवारों की तकलीफ समझने की बजाए सब्जी भाजी उगाने की बात कहकर चले गए।

विधायक संजय उईके ने आगे कहा कि उप मुख्यमंत्री भी बिना आदिवासी ग्रामों में पहुंचे सिर्फ एक कैम्प में दो परिवारों से मिलकर चले गए, तो सवाल यह उठता है कि आखिरकार सरकार के मंत्री वो जमीन क्यों नहीं देखना चाह रहे, जहां आजादी के बाद कांग्रेस सरकार में शुरु की गई स्वास्थ्य सेवाओं को भाजपा सरकार में पंचर कर दिया गया है। विधायक संजय उईके ने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार आदिवासीयों के हितों पर डाका डालने का काम किया जा रहा है, और यही कारण है कि दो मंत्री आए, और दोनों ही मंत्री जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते और औपचारिकता निभाते ही दिखाई दिये, यह सीधे तौर पर आदिवासीयों की घोर उपेक्षा है।

मृत बच्चों के परिवारों को न्याय दिलाने जारी रहेगा संघर्ष..

विधायक संजय उईके ने आगे कहा कि भाजपा सरकार के दोनों मंत्रीयों के द्वारा किसी भी अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की गई, किसी अधिकारी को निलंबित नहीं किया गया। बिना किसी ठोस कार्यवाही के साथ ही 24 बच्चों की मौत को 08 बच्चों की मौत बताने का काम किया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस पिड़ित परिवारों की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ने के लिये संघर्ष जारी रखेगी। संजय उईके ने कहा कि हमारी मांग है कि पिड़ित 24 बच्चों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। जवाबदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर समय सीमा तय की जाए। यदि सरकार ने इस संदर्भ में हमारी मांगों की सुनवाई नहीं की तो बड़े स्तर पर हजारों की संख्या में आदिवासीयों के साथ लामबंद होकर भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जायेगा।

मप्र के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से बालाघाट जिला सर्व ब्राह्मण समाज ने की सौजन्य भेंट..

बैहर विश्रामगृह मे अध्यक्ष राजेश पाठक के नेतृत्व मे विस्तार से चर्चाएं कर नवनिर्मित ब्राह्मण समाज भवन के लोकार्पण हेतु दिया न्यौता..

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार 22 अगस्त 2026 को एक दिवसीय प्रवास पर बालाघाट जिले के बैहर तहसील में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात कर क्षेत्र से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इसी क्रम में जिला सर्व ब्राह्मण समाज, बालाघाट के अध्यक्ष राजेश पाठक के नेतृत्व में समाज के

प्रतिनिधिमंडल ने विश्राम गृह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए बालाघाट जिले में समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान समाज की एकता एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, सामाजिक गतिविधियों के विस्तार तथा समाज के हित में शासन स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने सहित अनेक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। भेंट के दौरान जिला सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा बालाघाट नगर में नवनिर्मित ब्राह्मण समाज भवन के संबंध में भी उप मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नवनिर्मित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में पधारने का आमंत्रण दिया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आमंत्रण पर विचार करने तथा कार्यक्रम में सहभागिता की संभावनाओं पर उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने समाज की शैक्षणिक गतिविधियों और छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति से जुड़े विषय भी उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। साथ ही ब्राह्मण समाज द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित सामाजिक कार्यक्रमों को राज्य स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने तथा समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया गया। इसके अतिरिक्त बालाघाट जिले के समग्र विकास एवं जनहित से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की आवश्यकताओं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों की ओर उप मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सामाजिक संगठनों की रचनात्मक भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उचित सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में अजय मिश्रा, पं. तीरथ प्रसाद द्विवेदी (पुजारी), पं. मिथलेश शुक्ला, पं. प्रदीप त्रिवेदी, पं. अशोक दीक्षित, श्रवण शर्मा, शशि वाजपेई, पं. निरंजन शर्मा (पुजारी), आदित्य पंडित, जॉबी मिश्रा, निशांत मिश्रा, अन्नपूर्णा तिवारी, पं. राजेश दुबे (बालाघाट) सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस सौजन्य भेंट को जिला सर्व ब्राह्मण समाज की सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा शासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है

जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

हरियाली तीज का कार्यक्रम राजपूत समाज महिला मंडल द्वारा स्थानीय दस्तूर लॉन मे आयोजित किया गया, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर के प्रतिनिधित्व मे राजूपत समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या मे भाग लिया। इस अवसर पर डांस, गेम्स एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

बिरसा के बीमारी प्रभावित ग्रामों में तेजी से सुधर रहे हालात, प्रशासन की तत्परता से स्थिति सामान्य..

आंगनबाड़ी में बच्चों को ताजा पका नाश्ता और मध्यान्ह भोजन,

स्वास्थ्य अमला घर-घर पहुंचकर कर रहा जांच

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित ग्रामों में जिला प्रशासन की तत्परता और सक्रियता से स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पशु चिकित्सा तथा अन्य विभागों द्वारा लगातार

किए जा रहे राहत, उपचार, स्वच्छता और निगरानी संबंधी कार्यो से अब हालात सामान्य होने लगे हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित ग्रामों में आवश्यक सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। प्रभावित ग्रामों में आंगनबाड़ी केंद्रों की सेवाओं को बेहतर बनाया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सुबह ताजा पका हुआ नाश्ता देने के बाद मध्यान्ह भोजन भी कराया जा रहा है। इससे बच्चों को नियमित और पर्याप्त पोषण मिल रहा है।

अधिकारियों द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और बच्चों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का अमला चिन्हित 40 गांवों में घर-घर जाकर सर्वे एवं लोगों तथा बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर रहा है। बीमार पाए जाने वाले लोगों को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। गंभीर अथवा आवश्यकता वाले मरीजों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहकर स्वास्थ्य संबंधी स्थिति की निगरानी कर रही हैं।

कठिन परिस्थितियों में भी जिम्मेदारी निभा रहा मैदानी अमला..

प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग की एएनएम, सीएमओ एवं अन्य कर्मचारी कठिन और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद पूरी जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। मैदानी अमले में ऐसे कर्मचारी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने पति अथवा अन्य सगे संबंधियों को खोया है, इसके बावजूद वे प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की सेवा और स्वास्थ्य जांच का कार्य निरंतर कर रहे हैं।

बीमारी से प्रभावित तथा एहतियात के तौर पर चिन्हित ग्रामों में पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा पशुओं को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 अगस्त को अडोरी और पाथरी में पशुओं का टीकाकरण किया गया।

हैंडपंपों की सफाई, सुधार और क्लोरिनेशन

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्र के ग्रामों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हैंडपंपों के सुधार, जल स्त्रोतों की सफाई और क्लोरिनेशन का कार्य किया जा रहा है। 23 अगस्त को ग्राम लंहगाकन्हार के सोनटोला, बखारीकोना, गंजेसर्रा और डोंगरिया में हैंडपंपों की सफाई, सुधार एवं क्लोरिनेशन का कार्य किया गया।

शालाओं और छात्रावासों में भी कड़ी निगरानी

प्रभावित क्षेत्र की शालाओं, आश्रम शालाओं एवं छात्रावासों में बच्चों के मध्यान्ह भोजन, स्वच्छता और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पर अधिकारियों द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। ग्राम पंचायतों द्वारा भी गांवों की नालियों की सफाई कराई जा रही है, ताकि स्वच्छ वातावरण बना रहे और संक्रमण की संभावनाओं को कम किया जा सके। जिला प्रशासन की सतत निगरानी, विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास और मैदानी अमले की सक्रियता से बीमारी से प्रभावित ग्रामों में स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। साथ ही बैगा जनजाति के लोगों में भी बीमारी की स्थिति में समय पर चिकित्सक से उपचार कराने को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। प्रशासन द्वारा ग्रामीणों से स्वच्छता बनाए रखने, शुद्ध पेयजल का उपयोग करने और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की गई है।

समाज के उत्थान और संगठन को लेकर राजेन्द्र मानवटकर ने ली साहू समाज की बैठक, किया मंथन..

सामाजिक भवन निर्माण, प्रतिभा सम्मान समारोह सहित विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला तेली साहू समाज की बैठक रविवार को स्थानीय शीतल पैलेस होटल में आयोजित की गई। बैठक में समाज के उत्थान, संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक गतिविधियों को गति देने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में

सामाजिक आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने, समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने, समाज के आय के स्रोत बढ़ाने, सामाजिक भवन निर्माण तथा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणी को सक्रिय करते हुए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपने पर भी चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित स्वजातीय बंधुओं ने समाज के विकास और संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव एवं विचार रखे। इस दौरान समाज में आपसी एकजुटता बढ़ाने और युवाओं व महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में आगामी समय में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं जिला तेली साहू समाज का मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उपस्थित समाजजनों ने सामाजिक एकता और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में जिला तेली साहू समाज के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र मानवटकर, सचिव संतोष समरिते, कोषाध्यक्ष जीएल लांजेवार, कन्हैया हटवार, खेमराज भोंगाड़े, कृष्ण कुमार बावनकर, तरुण साहू, हीरालाल बावनकर, भानेश साकुरे, सुनील पाटिल, शिव अगासे, पीतम आंबिलकर, जयराम कावड़े, सुजय साहू, केशव बैस, कमलेश साहू, संतोष आंबिलकर, योगेश तुलसीकर, खेमलाल पटले, हीरालाल पटले, ईशुलाल धावड़े सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

विज्ञापन संकलन
मो. हासिब खान
जिला सिवनी
संपर्क - मो. 7898530101

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

केवलारी से सिवनी आ रही यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर खेत में जा घुसी

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाम्हनवाड़ा गांव के पास एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया।

यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर पहले एक विद्युत पोल से टकराई और इसके बाद सीधे सड़क किनारे एक खेत में जा घुसी। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों और मिली जानकारी के अनुसार सत्यम ट्रैवल्स की बस क्रमांक **MP 22 P 0265** केवलारी से सवारियों को लेकर सिवनी की ओर आ रही थी। बस की रफ्तार काफी तेज बताई जा रही है। जैसे ही बस बाम्हनवाड़ा गांव के पास पहुंची, चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित हुई बस सड़क किनारे लगे एक बिजली के पोल से जोरदार टक्कर खाते हुए सीधे खेत में जा धंसी। टक्कर इतनी तेज थी कि बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया और बस का अगला हिस्सा भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। दुर्घटना के तुरंत बाद बस के भीतर चीख-पुकार मच गई। यात्रियों में भारी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत यह रही कि बस पलटने से बच गई, वरना जनहानि का बड़ा खतरा पैदा हो सकता था। हादसे के वक्त बस में आगे की सीटों पर बैठे कुछ यात्रियों को मामूली चोटें और खरोंचें आईं। अन्य सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर यात्रियों को बस से बाहर निकाला और उनकी मदद की। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को अपने कब्जे में ले लिया है तथा बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने को लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इस घटना के बाद से क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों की बेलगाम चाल और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता जताई जा रही है।

सिवनी वनवृत्त में वन कर्मचारियों की पदोन्नति बनी प्रताड़ना..

जगप्रेरणा सिवनी।

एक ओर आज मुख्यमंत्री का वन विभाग के पदोन्नत कर्मचारियो द्वारा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम रखा जा रहा है वहीं दूसरी ओर

सिवनी वन व्रत में एक सैकड़ा से अधिक ऐसे भी कर्मचारी है जो अधिकारियों की हिटलरशाही से पदोन्नत होकर भी प्रताड़ना झेल रहे है। जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजिक अकील ने जारी विज्ञप्ति मे बताया कि सिवनी वन वृत में हुई पदोन्नति प्रक्रिया में नरसिंहपुर से 38, अनुसंधान एवं विस्तार से 25, दक्षिण वनमण्डल से 53, उत्तर वनमण्डल से 28, पेंच टाइगर रिजर्व से 30, उत्पादन वनमण्डल से 10, से अधिक कर्मचारियों को पदोन्नत कर अन्य वन मंडलों में स्थानांतरण कर दिया गया जबकि संबंधित वनमण्डल में भी रिक्त पद उपलब्ध थे। नरसिंहपुर वनमण्डल में तो 39 पदोन्नत कर्मचारियों में से 38 को अन्य जिले में पदस्थ कर दिया गया है।कुछ अधिकारियों की हिटलरशही ही है, कि कर्मचारियों के लिए मरता क्या करता की स्थिति उत्पन्न कर दी गई , एक ओर 20- 25 वर्षों की सेवा के बाद हुई पदोन्नति को प्राप्त करना है तो दूसरी ओर परिवार से सैकड़ों किमी दूर पदस्थापना प्राप्त कर आर्थिक बोझ और परिवार से अलगाव सहन करना।

पदोन्नति प्राप्त करने पर एक ओर बच्चों की बीच शैक्षणिक सत्र में शाला बदलने से दोहरा आर्थिक बोझ साथ ही शिक्षा प्रभावित होगी, और ना बदलने से 200किमी दूर दोहरा चूल्हा जलाकर भी आर्थिक बोझ के साथ ही परिवार से अलगाव बर्दास्त करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता तो तब दिखाई देती जब इस तरह की हिटलरशाही करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही कर रिवाइज डीपीसी कर कर्मचारियों को सम्मान पूर्वक पदोन्नत कर उनके वनमंडलों में रिक्त पदों में ही समाहित किया जाता जिससे कर्मचारी के साथ ही उनका परिवार भी मुखिया की उपस्थिति में जीवन यापन कर पाता।

अवैध चैकिंग एवं अवैध वसूली को लेकर भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन..

अवैध चैकिंग एवं अवैध वसूली को लेकर भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा सिवनी।

आज भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिला सिवनी द्वारा जिला कलेक्टर सिवनी को ज्ञापन दिया गया है।

जिसमे खवासा बार्डर मे आरटीओ द्वारा अवैध चैकिंग एवं अवैध वसूली करने पर रोक लगाने एवं चैकिंग प्वाइंट मे प्राइवेट व्यकतियों को हटाने के लिए भीम आर्मी भारत एकता मिशन जिला अध्यक्ष अब्दुल्ला खान (सदर पटेल), संभाग सचिव प्रदीप मेहदेले, शिवम झारिया, अभीषेक झारिया मारिस खान, दिनेश यादव एवं अन्य कार्यकर्त्ता शामिल रहे।

आर.टी.ओ के द्वारा खवासा वार्डर पर वाहनों की अवैध चैकिंग की जा रही है। जिसमें प्राईवेट व्यक्यिों द्वारा वाहन चैकिग की जा रही है, एवं बगैर किसी अधिकारी के चैकिग की जा रही है। वहां के कर्मचारियों की किसी भी प्रकार की नेमप्लेट नही है मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वाहन चैकिंग के जो नियम है उन नियमों की अवहेलना कर अवैध रूप से शासन प्रशासन की मिली भगत से अवैध चैकिंग का कारोबार फ्ल-फूल रह है जिसमें आय-दिन हाइवे रोड पर जाम लग रहा है एवं सडक हादसे हो रहे है जिसमें व्यक्तियों की जान जा रही है वही दूसरी ओर ओवर लोड रेत एवं गिट्टी के हाइवा धडल्ले से चल रहे है जिन्हे आर.टी.ओं द्वारा पूछा भी नही जाता है। चैकिंग पोइंट से कुछ दूरी पर करतारों से वाहन रोड पर खडे रहते है जिसके कारण घंटो तक हाइवे रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती है एवं यातायात अवागमन में अनुरोध उत्पन्न हो रहा है। जिन ट्रक ड्राइवरों एवं मालिको के पास पूर्ण दस्तावेज होने के बावजूद भी उन लोगो से 500/- से 1000/- रू. एंट्री के नाम पर गुन्डा गर्दी कर पैसे वसूले जा रहे हैं एवं नकली रशीद किसी किसी को तो ऐसे ही एंट्री के नाम से पैसे ले लिये जाते है। 7 दिन के अंदर किसी भी प्रकार की कार्यवाही एवं अवैध वसूली एंव अवैध चैकिंग में रोक नही लगाई जाती है तो भीम आर्मी भारत एकता मिशन एवं ड्राइवर ऐसोसियसन जिला सिवनी के द्वारा आर.टी.ओं कार्यालय के सामने उग्र अंदोलन एवं विरोध प्रदर्शन किया जायेगा जिसकी जबावदारी शासन प्रशासन की होगी।

बैगा अंचल में मौतों पर सरकार को घेरा, बैगा विकास के खर्च का श्वेत पत्र जारी करे सरकार : फिरोज खान

जगप्रेरणा सिवनी।

बालाघाट के बैगा संरक्षित अंचल में जलजनित बीमारी से दो दर्जन से अधिक मौतों ने सरकार की स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता और जनकल्याण व्यवस्था की पोल खोल दी है।

मौतों के बाद जागे प्रशासन द्वारा अब फॉगिंग, दवाइयां, स्वास्थ्य जांच और सफाई अभियान चलाकर अपनी नाकामी पर पर्दा डालने का सरकार की ओर से असफल प्रयास किया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि जब लोग मर रहे थे तब सरकारी मशीनरी कहां सो रही थी? यह बात कांग्रेस नेता फिरोज खान ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कही। उन्होंने कहा कि मौतों के बाद फॉगिंग कराना और मरीजों की जांच करना सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि उस लापरवाही का प्रमाण है जिसके कारण हालात इतने भयावह हुए फिरोज खान ने कहा कि बैगा जनजाति के विकास, संरक्षण, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, पोषण और शिक्षा के नाम पर वर्षों से भारी-भरकम बजट खर्च किया जा रहा है।

इसके बावजूद यदि बैगा अंचल के लोग बीमारी और दूषित पानी के कारण दम तोड़ रहे हैं तो सरकार को अब भाषण नहीं, हिसाब देना होगा। उन्होंने मांग की कि पिछले 20 वर्षों में बैगा जनजाति के विकास और संरक्षण के नाम पर स्वीकृत एवं खर्च की गई प्रत्येक राशि का श्वेत पत्र सरकार तत्काल जारी करे। श्वेत पत्र में यह स्पष्ट किया जाए कि किस योजना में कितना पैसा आया, कितना खर्च हुआ, किस गांव में कितना काम हुआ और उसका वास्तविक लाभ कितने परिवारों को मिला। उन्होंने सवाल किया बैगा विकास के नाम पर पैसा कहां गया? यदि पैसा खर्च हुआ तो सुविधाएं कहां हैं? और यदि सुविधाएं नहीं पहुंचीं तो जिम्मेदार कौन है?

फिरोज खान ने कहा कि प्रभावित गांवों में हजारों लोगों की स्वास्थ्य जांच और सैकड़ों मरीजों का उपचार किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। यह आंकड़े स्वयं बताते हैं कि स्थिति कितनी गंभीर रही होगी। सरकार अब आंकड़ों की बाजीगरी छोड़कर यह बताए कि बीमारी इतनी विकराल होने से पहले निगरानी तंत्र ने क्या किया? उन्होंने कहा कि प्रत्येक मौत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यह सार्वजनिक किया जाना चाहिए कि मौतें किन परिस्थितियों में हुईं। यदि दूषित पानी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, प्रशासनिक लापरवाही या किसी अन्य कारण की भूमिका सामने आती है तो जिम्मेदारी तय कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि बैगा आवास और विकास योजनाओं में पूर्व में सामने आए कथित भ्रष्टाचार के मामलों को भी सरकार गंभीरता से देखे। जिस जनजाति के नाम पर वर्षों से योजनाएं और बजट बनाए जा रहे हैं, उसी जनजाति के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं–यह सामान्य प्रशासनिक कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो जांच से सच्चाई सामने आ सकती है। हर गांव का हिसाब हो, हर योजना का हिसाब हो और हर रुपये का हिसाब हो। फिरोज खान ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि दो दर्जन से अधिक मौतों को महज बीमारी का मामला बताकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती।

मौतें सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, वे व्यवस्था की विफलता का आईना हैं। उन्होंने मांग की कि बैगा अंचल में उच्चस्तरीय जांच, सुरक्षित पेयजल की स्थायी व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और बैगा विकास योजनाओं के खर्च का सामाजिक एवं वित्तीय ऑडिट कराया जाए। फिरोज खान ने कहा कि अब बैगा समाज को आश्वासन नहीं चाहिए–उसे जवाब चाहिए। सरकार को बताना होगा कि बैगा विकास के नाम पर आया पैसा कहां खर्च हुआ और फिर भी बैगा परिवार बीमारी से क्यों मर रहे हैं। राहत कार्य चलते रहें, लेकिन इसके साथ लापरवाही और भ्रष्टाचार की जवाबदेही भी तय हो–यही न्याय है।

छपारा के पूर्व विद्यार्थी मोहम्मद शहवार खान (बाबा) की हैदराबाद में उल्लेखनीय उपलब्धि..

जगप्रेरणा छपारा।

जिले की प्राचीनतम एवं गौरवशाली शिक्षण संस्था मिशन स्कूल छपारा के अंग्रेजी माध्यम के पूर्व विद्यार्थी तथा क्षेत्र के प्रतिष्ठित मालगुजार एवं भाजपा नेता श्री शाहिद मोहम्मद खान के

पुत्र मोहम्मद शहवार खान (बाबा) ने 17 से 20 अगस्त 2026 तक हैदराबाद में आयोजित प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट एक्सपो में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने परिवार, विद्यालय एवं नगर का गौरव बढ़ाया है। शहवार ने नर्सरी से बारहवीं तक मिशन स्कूल छपारा में अध्ययन किया, वर्तमान में उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद में अध्ययनरत है।

इस प्रदर्शनी का विषय 'भावी पीढ़ी के स्वास्थ्य संबंधी समाधानों के लिए **AI** (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित सिग्नल प्रोसेसिंग एवं रोबोटिक्स' था। शहवार खान ने इसमें 'एआरसी बैंड : सीरीज ए' नामक स्मार्ट मेडिकल उपकरण प्रस्तुत किया। यह उपकरण रियल टाइम में हृदय गति तथा रक्त में ऑक्सीजन के स्तर की निगरानी करने में सक्षम है। किसी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का पता चलने पर यह निर्धारित आपातकालीन संपर्क नंबर पर स्वतः कॉल करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे आपात स्थिति में समय पर सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। शहवार के इस अभिनव एवं उपयोगी प्रोजेक्ट को निर्णायकों द्वारा प्रथम स्थान प्रदान किया गया तथा उन्हें विशेष उपलब्धि प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश-विदेश के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर अमेरिका से आईईईई के पूर्व अध्यक्ष लुईस कुन, गृह सुरक्षा के वरिष्ठ शोध प्रोफेसर तथा आईएफएमबीई के अध्यक्ष की उपस्थिति विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक रही।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि शहवार बचपन से ही अध्ययन एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में अग्रणी रहे हैं तथा उनमें विज्ञान, तकनीक और नवाचार के प्रति विशेष रुचि रही है। विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी देश विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित संस्थानों में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, पूर्व विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां वर्तमान विद्यार्थियों को भी विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में नए प्रयोग करने तथा नवाचार के लिए प्रेरित करती हैं, एवं विद्यालय को गौरान्वित करती है। शहवार खान की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मिशन स्कूल छपारा के डायरेक्टर श्री माइकल जॉन, हिन्दी माध्यम के प्राचार्य श्री संजय मसीह, अंग्रेजी माध्यम के प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार तथा विद्यालय परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

सांसद श्री कुलस्ते की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संत रविदास जी महाराज समरसता संकल्प अभियान का कलश वंदन कार्यक्रम

संत रविदास जी के जीवन एवं समरसता के संदेश पर हुआ संवाद..

जगप्रेरणा सिवनी।

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज समरसता संकल्प अभियान अंतर्गत कलश वंदन यात्रा आज विकासखंड कुरई के ग्राम बादलापार, सुकतरा एवं मोहगांव से होते हुए ग्राम कुरई पहुंची।

ग्राम कुरई में यात्रा के अवसर पर बाजार चौक स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर जिला प्रशासन के माध्यम से विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय सांसद मंडला श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने की। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष भाजपा सिवनी श्रीमती मीना बिसेन, जनपद पंचायत कुरई अध्यक्ष श्री लोचन सिंह मरस्कोले सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के जीवन, उनके सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान तथा समरसता के संदेश पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी महाराज ने समाज में समानता, भाईचारे, मानवता और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से उनके विचारों एवं संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री लालजीराम मीणा, अनुविभागीय अधिकारी कुरई श्री प्रशांत उइके, तहसीलदार कुरई श्री शनिपाल शाह परतेती एवं सुश्री सोनम पाण्डेय, सहायक संचालक जनजातीय कार्य श्री एम.एस. राहगडाले, विकासखंड अधिकारी कुरई श्री अनुराग रावल सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्राम कुरई के गणमान्य नागरिकों के साथ विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

कलश वंदन यात्रा के माध्यम से संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के समरसता एवं सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में आपसी भाईचारे एवं समानता की भावना को और सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया।

वैभव पवार ने सेवा कार्यों के साथ मनाया जन्मदिन..

जगप्रेरणा सिवनी।

जन्मदिन को केवल उत्सव तक सीमित न रखते हुए वैभव पवार ने इसे सेवा और सामाजिक सरोकार से जोड़कर मनाया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, गौसेवा और वृद्धजनों के सम्मान से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

आजादी के 80 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुंडापार, बरघाट में 80 पौधों का रोपण किया गया। इनमें 40 पीपल और 40 बरगद के पौधे शामिल रहे। पौधारोपण के साथ ही इनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित वातावरण तैयार करने का संदेश दिया गया।

इसी क्रम में महाकाल गोशाला, धारना में भी पौधारोपण किया गया। गोशाला परिसर को हरा-भरा बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

जन्मदिन के अवसर पर वैभव पवार वृद्धाश्रम, सिवनी पहुंचे और वहां निवासरत वृद्धजनों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने वृद्धजनों का आशीर्वाद लिया और उनके साथ समय बिताया। इस दौरान वृद्धजनों के प्रति सम्मान और संवेदना का भाव देखने को मिला।

वैभव पवार ने कहा कि जन्मदिन केवल खुशी मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का भी अवसर है। पौधारोपण, गौसेवा और वृद्धजनों का आशीर्वाद प्राप्त कर जन्मदिन मनाना उनके लिए विशेष संतोष का विषय है। उन्होंने सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने की बात कही।

वैभव पवार के इस सेवा संकल्प की सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने सराहना की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

एग्रीस्टेक, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान को गति देने के निर्देश..

जगप्रेरणा सिवनी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह की अध्यक्षता में आज एग्रीस्टेक, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपसंचालक कृषि श्री सुधीर कुमार धुर्वे ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों को अभियान के अंतर्गत संचालित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, सहकारिता विभाग, राजस्व विभाग तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा अभियान के दौरान किए जाने वाले कार्यों एवं दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने सभी संबंधित विभागों को अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने, फॉर्मर रजिस्ट्री में आवश्यक क्लेमिंग की प्रक्रिया पूर्ण कराने, सहकारी समितियों से अधिक से अधिक किसानों को सदस्य के रूप में जोड़ने तथा पात्र कृषकों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने किसानों को नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक करने तथा फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनके उचित प्रबंधन के लिए प्रेरित करने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में अभियान के लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा मैदानी स्तर पर गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP
डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS
मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक
विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध
पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी
मो.- 8817448039

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

डॉ. प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क' विद्या वाचस्पति की मानद उपाधि से अलंकृत

वरिष्ठ नागरिक मंच के साहित्यिक समारोह में नागरिक अभिनंदन, 68 दीप प्रज्वलित कर मनाया जन्मदिवस

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

अंतरराष्ट्रीय कवि, व्यंग्यकार एवं साहित्यकार डॉ. प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क' को साहित्य एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉक्टरेट (विद्या वाचस्पति) की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। वरिष्ठ नागरिक मंच के तत्वावधान में आयोजित साहित्यिक समारोह में राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक श्री रंग देवरस एवं वरिष्ठ नागरिक मंच के संरक्षक क्षीरसागर पारधी ने संयुक्त रूप से यूनिवर्सल ऑनरेरी अवॉर्ड काउंसिल, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त मेडल एवं मानद उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका नागरिक अभिनंदन किया गया।

डॉ. प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क' द्वारा मां वैनगंगा एवं चंदन नदी पर संस्कृत में अष्टक स्तोत्र तथा चालीसा-आरती का सृजन किया गया है। उनके साहित्यिक एवं रचनात्मक कार्यों के लिए उनका नाम लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दो बार दर्ज हो चुका है।

40-50 वर्षों के सामाजिक योगदान को किया स्मरण श्री रंग देवरस वक्ता ने डॉ. प्रणय श्रीवास्तव के लगभग 40-50 वर्षों के सामाजिक योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि वे विद्यार्थी परिषद, मजदूर संघ एवं संस्कार भारती के माध्यम से लंबे समय से सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने संगठन को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया।

उन्होंने बताया कि डॉ. श्रीवास्तव को अब तक 77 संस्थाओं द्वारा 165 सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। संस्कृत सुभाषित के माध्यम से उन्होंने डॉ. श्रीवास्तव को श्रेष्ठ वक्ता एवं विद्वान बताते हुए 'जीवेत् शरदः शतम्' के साथ उनके 100 वर्ष की दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

वारासिवनी प्रतिभाओं और संस्कारों की धारा : संजय सिंह कछवाहा

जिला क्षत्रिय राजपूत समाज के अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने डॉ. प्रणय श्रीवास्तव को अपना पड़ोस का अभिन्न साथी बताते हुए उनके स्वस्थ, सक्रिय एवं ऊर्जावान जीवन की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी डॉ. श्रीवास्तव की जिंदादिली और कार्य करने की ऊर्जा प्रेरणादायी है। उन्होंने वारासिवनी को प्रतिभाओं और संस्कारों से समृद्ध बताते हुए कहा कि वार्ड क्रमांक 5 सहित पूरे वारासिवनी शहर में कवि, खिलाड़ी , जनप्रतिनिधि एवं समर्पित समाजसेवी बड़ी संख्या में हैं, जो अपने अनुभवों से समाज और नई पीढ़ी को दिशा दे रहे हैं। उन्होंने डॉ. श्रीवास्तव के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

वरिष्ठ नागरिक मंच के संरक्षक क्षीरसागर पारधी ने डॉ. प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क' को मिली मानद डॉक्टरेट की उपाधि को वारासिवनी एवं जिले के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि साहित्य, समाजसेवा एवं रचनात्मक क्षेत्र में डॉ. श्रीवास्तव का निरंतर योगदान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

रचनात्मक कार्यों से मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान : डॉ. प्रणय श्रीवास्तव

नागरिक अभिनंदन के अवसर पर डॉ. प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क' ने अपनी साहित्यिक यात्रा एवं रचनात्मक कार्यों के संस्मरण साझा किए। उन्होंने संत तरुण सागर जी महाराज से मिली प्रेरणा का उल्लेख करते हुए बताया कि संतश्री के आशीर्वाद से तैयार पुस्तक का विमोचन दादाबाड़ी में हुआ। इसके अलावा वैनगंगा नदी आरती एवं 'चंदन चालीसा' की रचना और प्रकाशन किया गया।

उन्होंने बताया कि गायक कलाकार गणेश चुरहे द्वारा 'चंदन चालीसा' का गायन तथा रामपायली में नदी तट पर आयोजित आरती को वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला, जिसका उल्लेख लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इस साहित्यिक एवं रचनात्मक यात्रा में संस्कार भारती परिवार, राधा माधव सत्संग मंडल तथा सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गंगासागर यात्रा सहित विभिन्न आयोजनों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच और प्रेरणा देने का कार्य निरंतर जारी है।

68 दीप प्रज्वलित कर मनाया जन्मदिवस

अलंकरण समारोह के पश्चात वरिष्ठ नागरिक मंच द्वारा डॉ. प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क' के जन्मदिवस पर 68 दीप प्रज्वलित किए गए। इसके बाद सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। डॉ. 'अश्क' द्वारा रचित साई बाबा, राधा-कृष्ण एवं महाकालेश्वर भगवान के भजनों की प्रस्तुति दिल्ली के युवा गायक अनूप सिंह राठौर ने दी। भजनों पर उपस्थितजनों ने सामूहिक नृत्य कर समारोह को आनंदमय बना दिया।

कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग भैंनासर, जिला कायस्थ समाज अध्यक्ष राजेश वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष निर्दोष माडल, हिन्दी साहित्य भारती जिला बालाघाट अध्यक्ष अशोक सागर मिश्र, सहमत संस्था महामंत्री अमर सिंह ठाकुर, केरल मूल निवासी नागरिक संघ उपाध्यक्ष मोहन आचार्य, बिजली कर्मचारी महासंघ के वरिष्ठ पदाधिकारी भोलानाथ नंदी, नितेंद्र श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, आर्ट ऑफ लिविंग के प्रदीप खंडेलवाल, मेडिकल एवं ड्रग्स दवा व्यापारी संघ के पदम सुराना, संदीप रूसिया, बालाघाट चैंबर ऑफ कॉमर्स के अभय सेठिया, जिला तैराकी संघ के महेंद्र सुराना, सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष संजय रूसिया, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ महामंत्री दिलेश खंडेलकर, सेवानिवृत्त कर्मचारी अधिकारी महासंघ जिलामंत्री पंचम हनवत, विक्की एडे, सुनील जायसवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक मंच के महामंत्री सुरेंद्र बिसेन, कोषाध्यक्ष मनोहर सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष हीरा सिंह चंदेल, मनीराम बिसेन, प्रदीप खंडेलवाल, मनोहर बोकड़े, रामेश्वर मसखरे, सुमेर चंद कोल्हे, अशोक दुबे, गणेश चुरहे, डीएल एडे, शिवदयाल पटले, पतंजलि योग समिति के भेजेंद्र चौधरी, निलेश नेमा, भारत स्काउट गाइड एवं संस्कार भारती की ओर से सुनीता हनवत एवं सृष्टि मेश्राम, सैनिक अकादमी मेंहदीवाड़ा के संचालक शरद डेकाटे, देव डिवाइन किड्स स्कूल की प्राचार्य दिव्या श्रीवास्तव, दिगंबर जैन पंचायत की ओर से अजीत जैन एवं सुरेश सिंघई, विद्युत मंडल कंपनी संघ से शरणागत, लालबर्रा सहपाठी समूह से नंदलाल उइके, सरस्वती शिशु मंदिर परिवार से अनिता श्रीवास्तव सहित अनेक मित्र, परिजन एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का कुशल संचालन दिलेश खंडेलकर ने किया। अंत में डॉ. प्रणय श्रीवास्तव 'अश्क' ने वरिष्ठ नागरिक मंच के सभी साथियों, सम्माननीय अतिथियों, मित्रों, परिजनों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने 'जग प्रेरणा' दैनिक अखबार से कैलाश कसार, घनश्याम सेन भक्त एवं प्रदीप श्रीवास्तव का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया। जिले के साहित्यिक इतिहास में इस आयोजन को अनोखा एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम बताया गया।

पंजों के दंगल में चमका वारासिवनी का लाल, प्रियांश बिसेन बने नेशनल चैंपियन

दिल्ली की राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन, क्षेत्र में खुशी की लहर

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

वारासिवनी के युवा खिलाड़ी प्रियांश बिसेन ने राष्ट्रीय स्तर की आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए नेशनल चैंपियन का खिताब अपने नाम कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में प्रियांश ने देशभर से पहुंचे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच दमदार प्रदर्शन किया और अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रियांश की इस उपलब्धि से वारासिवनी सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनकी सफलता को कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास, अनुशासन और मजबूत आत्मविश्वास का परिणाम माना जा रहा है। राष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने न केवल अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनने का काम किया है। प्रियांश की जीत पर खेलप्रेमियों, परिजनों, मित्रों एवं क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सफलता उनके लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की राह खोलेगी और वे भविष्य में देश के लिए भी गौरव हासिल करेंगे। प्रियांश की उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि मजबूत इरादे, निरंतर अभ्यास और कभी हार न मानने का जज्बा हो तो छोटे शहरों और कस्बों से निकली प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंच पर अपना परचम लहरा सकती हैं।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न..

संजना मोनू बर्वे, जगप्रेरणा उकवा।

विकासखंड बैहर में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू की साप्ताहिक कक्षाओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ते हुए सतत एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पाठ्यक्रम के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जरूरतों की पूर्ति पर जोर दिया जा रहा है। इसके केंद्र में न्यायसंगत एवं समावेशी समाज का निर्माण और जनभागीदारी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगत सिंह नेताम एवं सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र मरकाम उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम शासन की महत्वपूर्ण पहल है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही, वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया तथा उपस्थितजनों ने नशामुक्ति की शपथ ली। जिला समन्वयक महेश पटले ने पाठ्यक्रम की रूपरेखा, उसकी बारीकियों, प्रभाव एवं महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में परामर्शदाता शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, कुंदन मेरावी, मंजूलता चौधरी, भंवर सिंह मेरावी, राजेन्द्र बिसेन एवं आकांक्षा टेकाम सहित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रकाश आर. अर्जुनवार ने जताई चिंता, जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई और स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग..

22 मासूम मौतों ने खड़े किए सवाल, अब आदिवासी अंचल के लिए विशेष कार्ययोजना की जरूरत..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बिरसा अंचल में 22 आदिवासी मासूम बच्चों की मृत्यु की घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। इस दुखद घटना को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच के अंतरराष्ट्रीय संयोजक प्रकाश आर. अर्जुनवार ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि

आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य और पोषण जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को लेकर अब गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की मृत्यु केवल एक घटना नहीं है, बल्कि यह उन दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जमीनी स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करती है। घटना की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक कारणों और जिम्मेदारियों को सामने लाया जाना चाहिए। यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी की गंभीर लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए।

घटना से पहले भी रखी थी आदिवासी क्षेत्र की समस्याएं

अर्जुनवार के अनुसार, उन्होंने 16 जून 2026 को भोपाल में आदिवासी कल्याण मंत्री राजे कुंवर विजय शाह से मुलाकात कर बालाघाट जिले के बैहर-बिरसा क्षेत्र के आदिवासी समाज के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा तथा माता-बाल संगोपन से जुड़ी विशेष परियोजना शुरू करने की आवश्यकता बताई थी।

उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों की वास्तविक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए विशेष विकासात्मक कार्ययोजना लागू करने का सुझाव भी दिया था। उनका कहना है कि 17 जून को ही उन्होंने आदिवासी अंचल में ऐसी गंभीर स्थिति उत्पन्न होने की आशंका से मंत्री को अवगत कराया था।

वर्षों से आदिवासी अंचलों में कर रहे हैं काम

प्रकाश आर. अर्जुनवार लंबे समय से बालाघाट के आदिवासी क्षेत्रों के संपर्क में रहे हैं। परसवाड़ा, उकवा, बैहर, बिरसा और दमोह क्षेत्र में वे लगातार दौरे एवं निरीक्षण करते रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बैगा सहित अन्य आदिवासी समुदायों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पोषण और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी समस्याओं को करीब से देखा है।

उनका कहना है कि इन क्षेत्रों के विकास के लिए सामान्य योजनाओं के साथ-साथ स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष और सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार करने की जरूरत है।

स्वास्थ्य के साथ शिक्षा और पोषण पर भी हो ध्यान

उन्होंने कहा कि आदिवासी अंचलों में केवल बीमारी का इलाज करने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। गर्भवती महिलाओं की नियमित देखभाल, नवजात एवं बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी, पोषण, स्वच्छता, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता को एक साथ लेकर काम करना होगा।

महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले के आदिवासी क्षेत्रों में एकता सामाजिक शिक्षण संस्था के माध्यम से करीब 35 वर्षों से किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस अनुभव का उपयोग बालाघाट के आदिवासी क्षेत्रों में भी किया जा सकता है। प्रशासन, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय समाज के समन्वय से प्रभावी मॉडल तैयार किया जा सकता है।

विशेष विकास प्रकल्प शुरू करने की मांग

अर्जुनवार ने पालक मंत्री और जिला प्रशासन से परसवाड़ा, उकवा, बैहर, बिरसा एवं दमोह क्षेत्र के आदिवासी समाज के लिए एकात्मिक जनसंख्या एवं विकास प्रकल्प की विशेष कार्ययोजना तैयार करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि 22 मासूम बच्चों की मौत के बाद केवल जांच और कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी पीड़ा से न गुजरना पड़े। इसके लिए आदिवासी अंचलों में स्वास्थ्य, पोषण और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

।। जन सूचनार्थ ।।

मैं ज्ञानचंद बानेवार पिता कांति लाल बानेवार जाती फूलवारी उम्र 28 वर्ष निवासी बुदबुदा नदी टोला तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट मध्यप्रदेश मेरे द्वारा वर्ष 2016-19 में रिपु दमन सिंह बिसेन स्कूल और नर्सिंग वारासिवनी यूनिवर्सिटी महा कौशल द्वारा जी.एन.एम. की परीक्षा दी गई थी तथा उसे मैंने उत्तीर्ण भी कर लिया जी.एन.एम. का रजिस्ट्रेशन भी प्राप्त कर लिया गया था दिनांक 26-07-2026 को भोपाल जाते समय ट्रेन में से किसी ने मेरे बैग चुरा लिया जिसमें मेरे दस्तावेज जिसमें आय प्रमाण पत्र, जाती प्रमाण पत्र जी.एन.एम. का रजिस्ट्रेशन आदि थे मेरा बैग जिस किसी भी व्यक्ति को मिलता है तो मुझे मेरे मोबाइल नंबर 81030 72545 पर फोन कर सूचना दे।

प्रार्थी
ज्ञानचंद बानेवार
मोबाइल नंबर
8103072545

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन.. दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

।। सार्वजनिक सूचना ।।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (मेरे) श्री रामविलास मसकरे, पिता श्री शोभेलाल मसकरे, जाति लोधी, निवासी ग्राम नवेगांव (ख), तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.) की स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि मौजा ग्राम डोंगरिया, पटवारी हल्का नं. 3/20, रा.नि.मं. व तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट स्थित खसरा नं. 97/33, कुल रकबा 0.012 हेक्टेयर (परिवर्तित भूमि) है। उक्त भूमि मेरे द्वारा विक्रेता श्री पुरनलाल लिल्हारे, पिता श्री अन्तु लिल्हारे से पंजीकृत विक्रय पत्र पंजीकरण क्रमांक MP01042016A1495688 दिनांक 24/08/2016 के माध्यम से क्रय की गयी थी। उक्त पंजीकृत विक्रय पत्र (मूल रजिस्ट्री) निष्पादन के पश्चात कहीं गुम / खो गया है, जिसकी सूचना पुलिस थाना खैरलांजी में दिनांक 22/08/2026 को दर्ज करा दी गई है। वर्तमान में मेरे द्वारा उक्त भूमि को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा वारासिवनी में बंधक रखकर ऋण (Loan) प्राप्त किया जा रहा हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था या बैंक को उक्त संपत्ति, मूल विक्रय पत्र अथवा इस बंधक प्रक्रिया पर किसी भी प्रकार की आपत्ति, दावा या हित निहित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने साक्ष्य एवं दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी को या संबंधित बैंक शाखा को सूचित करें। समय सीमा समाप्त होने के पश्चात किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा एवं बैंक द्वारा ऋण स्वीकृति की कार्यवाही पूर्ण कर ली जाएगी।

रामविलास मसकरे
पता: निवासी ग्राम नवेगांव (ख), तहसील खैरलांजी
मोबाइल नंबर: 9822979672

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्सअप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

।। श्री जीणमाता की जय ।।
।। जय गुलाब बाबा नमः ।।
प्रो. मनीष वर्मा, मो. 9425448126
मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते है एंव गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

थाना मलाजखण्ड पुलिस की कार्रवाई..

भय दिखाकर रंगदारी वसूलने वाले 02 आरोपी गिरफ्तार, आरोपियों के कब्जे से 19 हजार नगद व घटना में प्रयुक्त कार जप्त

जगप्रेरणा मलाजखंड।

बालाघाट जिले में संगठित अपराध, चोरी एवं डकैती जैसे गंभीर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अपराधों के त्वरित निराकरण हेतु पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

उक्त निर्देशों के पालन में थाना मलाजखण्ड पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए भय दिखाकर रंगदारी वसूलने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

घटना का संक्षिप्त विवरणः- दिनांक 22.08.2026 को फरियादी मस्तकीन कुरैशी द्वारा चौकी पाथरी, थाना मलाजखण्ड में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 21.08.2026 की रात्रि करीब 09:00 बजे वह ग्राम खमुरीटोला के पास जंगल झरूआटोला कच्ची सड़क पर अपने खरीदे हुए बकरों को पिकअप वाहन में लोड कर रहा था। इसी दौरान टोपराम पटले, सतीश राहंगडाले, बुधराम मेरावी एवं देवेन्द्र सिंह मरकाम स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक छत्त22क्र2004 से मौके पर पहुंचे तथा फरियादी से रंगदारी करते हुए 02 लाख रुपये की मांग करने लगे । फरियादी द्वारा रुपये देने से मना करने पर आरोपीगण गाली-गलौज एवं मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। भय के कारण फरियादी ने आरोपियों को 50,000 रुपये दे दिए। इसके बाद आरोपीगण द्वारा फरियादी से प्रतिमाह 20,000 रुपये देने की मांग करते हुए धमकी दी गई। फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपीगणों के विरुद्ध थाना मलाजखण्ड में अपराध क्रमांक 127/2026, धारा 296 (बी), 115 (2), 308 (5), 3 (5) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना का खुलासाः- घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर श्री डॉ. नितेश भार्गव एवं एसडीओपी बैहर श्री चंद्रशेखर पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मलाजखण्ड निरीक्षक धर्मेन्द्र जौनवार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आरोपियों की पतासाजी की गई। प्राप्त सूचना के आधार पर थाना मलाजखण्ड पुलिस द्वारा आरोपी देवेन्द्र सिंह मरकाम एवं सतीश राहंगडाले को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों द्वारा उक्त घटना में शामिल होना स्वीकार करने पर आरोपी देवेन्द्र सिंह मरकाम के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक छत्त22क्र2004 एवं 10,000 रुपये नगद तथा आरोपी सतीश राहंगडाले के कब्जे से 9,000 रुपये नगद बरामद कर जप्त किए गए। जबकि फरार आरोपी टोपराम पटले एवं बुधराम मेरावी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार तलाश की जा रही है।

पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक व धारा- अपराध क्रमांकः 127/2026, धाराः 296 (बी), 115 (2), 308(5), 3(5) बीएनएसद्ध जप्त मशरूका - 1. नकद राशि -` 19,000/-। 2. घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक छत्त22क्र2004, अनुमानित कीमत` 03 लाख।

गिरफ्तार आरोपियों का नाम/पता- 1. देवेन्द्र सिंह मरकाम उम्र - 51 वर्ष निवासी - ग्राम अजर्रा, हाल ग्राम सुन्दरवाही, थाना बिरसा 2. सतीश राहंगडाले उम्र - 37 वर्ष निवासी - ग्राम बिछली, वार्ड क्रमांक 02, थाना बिरसा

आपराधिक रिकॉर्ड - आरोपी सतीश राहंगडाले के विरुद्ध पूर्व में भी थाना बिरसा में अपराध क्रमांक 124/2021, धारा 201, 323, 34, 342, 365, 386, 392, 506 भादंसं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध है।

सराहनीय भूमिका - संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी मलांजखण्ड निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह जौनवार, उपनिरीक्षक मनोज मांगरे, सहायक उपनिरीक्षक मुकेश रंगारे, प्रधान आरक्षक दारा सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक कमलेश भौतेकर, आरक्षक मंगलेश धुर्वे, मिथलेश कनरियां, आलोक सिंह राजपूत, पंकज बघेल, सौरभ रघुवंशी, एसएसयू वेदप्रकाश, कैलाश, सतीश, नसीब, प्रकाश, धनराज एवं श्याम सिंह की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण हजारों लोग, शिक्षक बनने का कर रहे इंतजार, शासन, प्रशासन से निर्देश का कर रहे इंतजार..

जगप्रेरणा लांजी।

मध्य प्रदेश में वर्ष 2005 एवं 2008 में शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले हजारों शिक्षक इन दिनों अपने भविष्य को लेकर असमंजस और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से उनकी पात्रता को लेकर

शासन की ओर से स्पष्ट आदेश जारी नहीं किया गया है। ऐसे में यह सवाल लगातार बना हुआ है कि 2005 और 2008 में उत्तीर्ण की गई पात्रता आज भी मान्य है या उन्हें पुनः पात्रता परीक्षा देनी होगी। एमपीटीईटी 2005 एवं 2008 उत्तीर्ण शिक्षकों ने इस मामले में शासन-प्रशासन से स्पष्ट और आधिकारिक स्थिति सामने रखने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि हाल ही में जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा की नियम पुस्तिका और विभिन्न माध्यमों से सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का उल्लेख सामने आ रहा है, लेकिन इस संबंध में शासन की ओर से ऐसा स्पष्ट आदेश अथवा अधिकृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, जिससे उनकी स्थिति पूरी तरह साफहो सके।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को लेकर उठे सवाल

शिक्षकों ने सर्वोच्च न्यायालय में चल रहे प्रकरणों को लेकर भी कई सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सिविल अपील क्रमांक 1385/2025, 1386/2025 एवं अन्य समान प्रकरणों में 1 सितंबर 2025 को आदेश पारित होने की जानकारी विभिन्न माध्यमों से सामने आई है। ऐसे में शिक्षकों की मांग है कि शासन स्पष्ट करे कि क्या वर्ष 2005 एवं 2008 की पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों से संबंधित कोई याचिका अथवा प्रकरण शासन द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था।

यदि ऐसा प्रकरण था तो उसका आधिकारिक क्रमांक, अब तक हुई सुनवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय की प्रमाणिक जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि शिक्षकों के बीच फैल रहे भ्रम और अलग-अलग दावों पर विराम लग सके।

समान पाठ्यक्रम और परीक्षा पद्धति, फिर पात्रता में अंतर क्यों?

शिक्षकों का तर्क है कि वर्ष 2005 और 2008 में आयोजित पात्रता परीक्षा का पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पद्धति बाद की परीक्षाओं से संबंधित रही है। वर्ष 2011 एवं उसके बाद पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता को शासन द्वारा मान्यता दी गई है। ऐसे में 2005 एवं 2008 में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शिक्षकों की पात्रता को लेकर स्पष्टता नहीं होने से उनमें असंतोष बढ़ रहा है।

शिक्षकों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत परीक्षा उत्तीर्ण की थी और वर्षों से शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसलिए उनकी पुरानी पात्रता के संबंध में शासन को स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए।

नए सूचना पत्र ने बढ़ाई चिंता

हाल ही में जारी शिक्षक पात्रता परीक्षा के नए सूचना पत्र में पूर्व में पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा देने की बात कही गई है।

लेकिन 2005 और 2008 में पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके शिक्षकों के संबंध में उनकी पुरानी पात्रता मान्य रहेगी या उन्हें भी दोबारा परीक्षा देनी होगी, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से शिक्षकों की चिंता बढ़ गई है।

शिक्षकों का कहना है कि नियमों की अस्पष्टता के कारण हजारों परिवारों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के लिए यह केवल परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि उनकी नौकरी, सेवा-सुरक्षा और वर्षों की मेहनत से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

शासन से लिखित स्पष्टीकरण की मांग

एमपीटीईटी 2005 एवं 2008 उत्तीर्ण शिक्षकों ने शासन से मांग की है कि इस पूरे मामले में तत्काल आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी किया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि पुरानी पात्रता वैध है अथवा नहीं और यदि किसी न्यायालयीन आदेश के आधार पर पात्रता में कोई बदलाव किया गया है तो उसका प्रमाणिक विवरण सार्वजनिक किया जाए।

नपा परिषद ने सावन माह मे संगीतमय सुदंरकांड के पाठ का आयोजन कर वातावरण को कर दिया पूर्णत धार्मिक..

प्रसिद्व भजन गायक आदित्य खंजाची के भजनो पर झूमते नजर आये नगरवासी..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

नपा परिषद मे इस साल भी सालो की परपंरा सावन माह मे संगीतमय सुंदरकांड के संगीतमय कार्यक्रम का भक्तिमय वातावरण मे आयोजन किया गया। जिसमे नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के साथ पार्षदगणो व गणमान्य नागरिको ने भी अधिक संख्या मे शामिल होकर धर्म लाभ लिया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने पूछे जाने पर बताया की नपा परिषद पिछले कई सालो से प्रमुख त्योहारो मे धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करती आयी है। आज हमने सावन माह मे संगीतमय सुदंरकांड के माध्यम से सामुहिक रूप से प्रभू श्रीराम व प्रभू हनूमान जी के दरबार मे हाजिरी लगायी है। आज के आयोजन का उद्वेश्य है की हमारे नगर मे सदैव विकास की गाथा अनवरत चलते रहे और प्रभू कृपा से सुख सम्रद्वी भी बनी रहे। आज संगीतमय कार्यक्रम मे प्रसिद्व भजन गायक आदित्य खंजाची एंड टीम ने प्रात से शाम तक एक से एक भजनो की प्रस्तुती भी दी। जिसमे खाटू श्याम जी, जगन्नाथ जी, हनुमान जी भजनो के साथ संगीतमय हनुमान चालिसा ने भक्तो पर जादू सा कर दिया। अनेक पलो मे भक्त दोनो हाथ उठाकर जंहा जयकारे करते नजर आये। वहीं न्रत्य की मुद्रा मे भी अपनी हाजिरी लगाते नजर आये। आज संगीतमय कार्यकम मे विशेष रूप से नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, वरिष्ठ नेता निरंजन बिसेन, समीर बिसेन, आलोक खरे, लोकेश ठाकरे, संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे, प्रवीण रूसिया, श्रीमती दीपा रूसिया, मनोज दांदरे, आशूतोष कोहाड, अमित येरपूडे, आशूतोष कोहाड, शैलेन्द्र तिवारी, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के साथ नपा परिषद मे अन्य अधिकारीगण भी सक्रिय नजर आये।

अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जगप्रेरणा लांजी।

अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ कार्यक्रम लांजी किरनापुर क्षेत्र में ग्राम बहेला, हनुमान मंदिर परिसर गांधी चौक में स्थानीय ग्रामवासीयो के सहयोग से एवं ग्राम समितियो के द्वारा अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ समिति एवं अभिनंदन लाइफ़ फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम बहेला में 22अगस्त 2026 से शुभारभ एवं 23 अगस्त 2026 को विश्रांति हुआ। बहेला में अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ के पावन आयोजन के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान, बच्चों की प्रतिभा विकास तथा नशा मुक्ति , पौधारोपण जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन के माध्यम से मानवता के सेवा कार्य किया गया।

बेटी घर की लक्ष्मी, परिवार का शौभाग्य है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे पढ़ना चाहते है, लेकिन सुविधा के अभाव के कारण अपनी इच्छा का दमन करना पड़ रहा , आर्थिक तंगी, व्यवस्था का अभाव के कारण माता, पिता से आग्रह करना मुश्किल हो जाता है। आइए बच्चों के सुंदर भविष्य के लिए गांव को ही अपना परिवार बनाए। माता अपने बच्चों मार्गदर्शन करे बुराई से बचाए शिक्षा को प्राथमिकता दें।

बुजुर्गों के आशीर्वाद से होंगे सारे काम सफल

कार्यक्रम में उपस्थित संतजनों, प्रबुद्ध नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों ने श्रीरामचरितमानस के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। श्रीरामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आदर्श जीवन, सामाजिक समरसता, सेवा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शक है।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व पर जागरूक किया गया तथा बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया गया। वरिष्ठों का सम्मान से ही हम आगे बढ़ेंगे।

बहेला सुंदर स्वस्थ मेरा गांव के संदेश के साथ पौधारोपण किया गया

गांव में प्रकृति के संरक्षण को लेकर संदेश के साथ बच्चों की तरह ही हम पेड़ पौधा का पालने की जिम्मेदारी गांव के लोगो ने किया ,और गांव गांव में घूम घूम का महिला मंडल समिति और स्थानीय नागरिकों समिति के साथ मिलकर पौधारोपण अभियान कार्यक्रम किया गया। गांव 25 पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम किया गया।

हमारी संस्कृति ही हमारा परिवार का आधार

भारतीय संस्कृति के आधारभूत मूल्यों पर महिला मंडल द्वारा गांव गांव में सेवा संस्कार, आदर्श के साथ हल्दी कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया और महिला द्वारा एक दूसरे का सम्मान किया। और अपने लक्ष्य के साथ परिवार का संरक्षण जागरुकता के साथ आदर्श व्यवहार कर परिवार से परिवार संस्कार जोड़ने का कार्य किया और सुख समृद्धि की कामना की

करो योग रहो निरोग के साथ होगा योग शिविर

योग के माध्यम से समाज में बच्चों को युवा को वरिष्ठों को योग शिविर के माध्यम से जल्द ही योग का 7 दिवसीय कार्यक्रम जल्द आयोजन किया जाएगा। और गांव वालों की सहमति मिली और युवा ने भी रक्तदान का संकल्प लिया।

बहेला गांव में नगर कीर्तन यात्रा हुई

गांव में नगर कीर्तन यात्रा हुई और लोगो ने रामायण का जगह जगह स्वागत किया और अन दान किया यथा शक्ति अनुसार और धन दान किया भगवान का स्वागत लोगो ने दिल खोल के किया।

बच्चों ने दिया सांस्कृतिक कार्यक्रम से अमृत संदेश

मानस पाठ कार्यक्रम समापन के पश्चात ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों द्वारा सुंदर प्रस्तुति अभिनय के साथ मंच पर सांस्कृतिक गतिविध कर उत्कृष्ट अभिनय किया। उक्त कार्यक्रम अभिनय के साथ शिक्षाप्रद संदेश पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता संदेश कार्यक्रम के माध्यम से समाज में संदेश दिया। बच्चों के द्वारा स्वास्थ जागरूकता, आध्यात्मिक संदेश दिया।

अखंड श्री रामचरित

मानस पाठ में सहयोग कर्ता, ग्राम बहेला सम्मानीय सर्वश्री, कार्यक्रम में समस्त ग्राम वासियों का सहयोग प्राप्त हुआ। बहेला, पंचमटोला, मुंशीटोला, दड़बडा टोला ,और अन्य ग्राम के लोगो के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

आज सावरीखुर्द में अखण्ड पाठ शुभारभ

आज ग्राम सावरीखुर्द में अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ कार्यक्रम का शुभारंभ सभी स्थानीय ग्रामवासी एवं ग्राम समितियो और निवासियों के सहयोग से 23 अगस्त 2026 को संगीत मय कार्यक्रम शुभारभ किया गया। और 24 अगस्त 2026 को अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ का विश्रांति के साथ स्वास्थ शिविर एवं मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के महाप्रसाद के साथ संपन्न होगा आप सभी क्षेत्र वासियों से अनुरोध है कि पुण्य अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ कार्यक्रम में उपस्थित का आग्रह है।

बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमेटी एक्ट 1949 को निरस्त करने बिहार मुख्यमंत्री आवास के सामने पटना में 23 अगस्त से 5 दिवसीय भूख हड़ताल

जगप्रेरणा बालाघाट।

महाबोधि महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन समिति बोधगया के तत्वाधान में समूचे विश्व के बौद्ध अनुयायियों के श्रद्धा का केंद्र विश्व धरोवर महाबोधी महाविहार बोधगया का प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को प्राप्त करने हेतु बिहार राज्य की राजधानी पटना में बिहार राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आवास के सामने

दिनांक 23 अगस्त से 27 अगस्त तक 5 दिवसीय भूख हड़ताल किया जाएगा जिसमें भारत के समूचे प्रांत के लोग होगे शरीक दुनिया के समूचे बौद्ध उपासक उपासिकाओ का श्रद्धा का केंद्र महाबोधी महाविहार बोधगया का प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को क़ानूनी तौर पर प्राप्त करने हेतु सर्वप्रथम प्रयास अंनागारिक धम्मपाल जी ने सन 1895में तत्कालिन न्यायालय कलकत्ता में याचिका पेश की थी 1895के दरम्यान अंग्रेजी हुकूमत थी आंदोलन निरंतर चलता रहा तत्कालीन समय में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अनागारिक धम्मपाल जी को आश्वासन दिया की भारत आजाद होने पर महाबोधी महाविहार बोधगया का प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों के हाथों सौंपा जाएगा किन्तु 15अगस्त 1947को भारत आजाद होने के उपरांत भी बौद्ध अनुयायियों को प्रबंधन नहीं सौंपा गया

तथा तत्कालीन बिहार सरकार ने बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमिटी एक्ट 1949बनाया गया जिसमें 4गैर बुद्धिष्ट 4बुद्धिस्ट और 1पदेन अध्यक्ष कलेक्टर होगा द्य उक्त ऐतिहासिक महाबोधि महाविहार बोधगया का प्रबंधन बौद्धों को सौंपा नहीं गया समय समय पर केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष बुद्ध अम्बेडकर मिशन के लोगो ने रखा किंतु प्रबंधन गैर बुद्धिष्ट लोगों के हाथों में ही रहा जिसकी वजह से महाबोधी महाविहार बोधगया का प्रबंधन पूर्ण रूप बौद्धों के हाथों में इस बात को मद्देनज़र रखते हुए **BTMC Act** 1949को निरस्त करने के अनागरिक धम्मपाल जी के पश्चात पूज्य भदंत सुरई ससाई जी ने सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में रिट पिटीशन क्रमांक 380/2012 पेश की कालांतर में भंते सुरई ससाई जी तत्कालीन केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग दिल्ली के सदस्य भी बने किन्तु प्रबंधन बौद्ध अनुयायियों को प्राप्त नहीं हुआ उक्त याचिका के समर्थन में 6वर्ष उपरांत महत्वपूर्ण साक्ष्यों के साथ पूज्य भदंत धम्म शिखर जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महाबोधी महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन समिति के द्वारा वर्ष 2018को इंटरवेशनं पिटीशन क्रमांक91048/2018 पेश की पूज्य भदंत धम्म शिखर जी द्वारा याचिका प्रस्तुत करने के उपरांत सर्वोच्च न्यायालय में नियत पेशियों पर अधिकृत अधिवक्ता के साथ उपस्थित होते रहे महाबोधि महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन समिति के राष्ट्रीय महासचिव आकाश लामा जी के नेतृत्व में यह आंदोलन जनमानस का आंदोलन बन गया

और संपूर्ण देश के बौद्ध अनुयायियों ने क्व्क्षस्ट एक्ट 1947को निरस्त करने के लिए अपने अपने स्तर पर आंदोलन किए विगत दिनांक दिल्ली के जंतर मंतर में भी आंदोलन किया गया किन्तु कुंभकरण की तरह नींद में सोई सरकार जाग नहीं पाई महाबोधी महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन समिति द्वारा तत्कालीन बिहार सरकार के द्वारा बनाया गया **BTMC Act** 1949को निरस्त करने के हेतु 23अगस्त 2026से 5दिवसीय भूख हड़ताल बिहार राज्य की राजधानी पटना में माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निवास स्थान के सामने प्रारंभ करेगी महाबोधी महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन समिति म प्र द्धारा तमाम बौद्ध उपासक उपासिकाओ से आव्हान किया की अधिक से अधिक तादाद में पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाएं।

जग प्रेरणा
खेल मनोरंजन
खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

भारतीय हॉकी टीम को मिली नीदरलैंड के खिलाफ 3-1 से मात, सेमीफाइनल में पहुंचना हुआ अब काफी मुश्किल..

डेस्क जगप्रेरणा।

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय पुरुष टीम ने अगले राउंड में पूल-श्च में मेजबान टीम नीदरलैंड के खिलाफ 22 अगस्त को एम्सटलवीन स्थित वेगनर स्टेडियम में मुकाबला खेला।

इस मैच में भारतीय हॉकी टीम को 3-1 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब उनके लिए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता काफी कठिन हो गया है। इस मैच के शुरुआती दो क्वार्टर में दोनों टीमें एक भी गोल करने में कामयाब नहीं हो सकी थी, जिसके बाद तीसरे क्वार्टर में नीदरलैंड ने खाता खोला तो वहीं आखिरी क्वार्टर में मुकाबला 3-1 के अंतर से खत्म हुआ। इस मैच में भारतीय टीम को 6 पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वह सिर्फएक को ही गोल पोस्ट के अंदर पहुंचाने में कामयाब हो सकी।

नीदरलैंड का डिफेंस पड़ा भारतीय टीम पर भारी..

इस मैच के पहले क्वार्टर में भारतीय टीम एक भी पेनल्टी कॉर्नर लेने में कामयाब नहीं हो सकी थी, तो वहीं नीदरलैंड को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह गोल करने में कामयाब नहीं हो सकी। दूसरे क्वार्टर में नीदरलैंड की तरफ से काफी आक्रामक खेल देखने को मिला और वह तीन बार पेनल्टी कॉर्नर लेने में कामयाब रही लेकिन गोल नहीं कर पाए। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वह नीदरलैंड के डिफेंस को भेद पाने में कामयाब नहीं हो सकी। भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह का शॉट या तो डच रशर्स ने ब्लॉक किया या गेंद गोलपोस्ट के बाहर निकल गई। वहीं तीसरे क्वार्टर के आखिर में नीदरलैंड की तरफ से डुको टेलगैनकैंप ने खेल के 40:08 मिनट में मुकाबले का पहला गोल करने के साथ अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

आखिरी क्वार्टर में भारतीय टीम की गलती पड़ी भारी..

इस मुकाबले के आखिरी क्वार्टर में सभी की नजरें थी जिसमें भारतीय टीम ने अच्छी शुरुआत की और पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन गोल करने में कामयाबी नहीं मिली। वहीं नीदरलैंड की तरफ से खेल के 50:09 मिनट त्जेप होडेमेकर्स ने गोल करने के साथ अपनी टीम को 2-0 से मैच में आगे कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने खेल के 52वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गेंद को गोल पोस्ट के अंदर पहुंचाने के साथ मुकाबले में भारत का खाता खोला लेकिन 54वें मिनट में नीदरलैंड के थिज्स डैम वैन ने गोल करने के साथ नीदरलैंड की जीत को पूरी तरह से पक्का कर दिया।

अब टीम इंडिया को पूल के दूसरे मैचों पर रहना होगा निर्भर..

भारतीय टीम को नीदरलैंड के खिलाफ मिली 3-1 से हार के बाद अब उनके लिए सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता काफी कठिन हो गया है। टीम इंडिया को टूर्नामेंट में अपना अगला मुकाबला 24 अगस्त को अर्जेंटीना की टीम के खिलाफ खेलना है।

वहीं पूल-श्च की प्वाइंट्स टेबल में अब भारतीय टीम चौथे नंबर पर है जिसमें उसके शून्य अंक हैं। वहीं अब उनको दूसरे मैचों के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा।

'महाभारत' फेम आशा सिंह का निधन, 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, मनोरंजन जगत में पसरा मातम..

डेस्क जगप्रेरणा।

फिल्म और टीवी जगत में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेत्री आशा सिंह का 22 अगस्त को मुंबई में निधन हो गया। उनके बेटे आकाश सिंह भारद्वाज के अनुसार वह पिछले तीन महीनों से फेफड़ों के इन्फेक्शन से जूझ रही थीं और शुक्रवार को उनका निधन हो गया।

उनके निधन से फिल्म और टेलीविजन जगत को गहरा दुख पहुंचा है। उनके अचानक निधन से उनके परिवार, दोस्तों और करीबियों को गहरा सदमा लगा है। आशा सिंह के बेटे आकाश के अनुसार उनका अंतिम संस्कार आज ही किया गया है, जिसमें उनके नागपुर के चाचा भी शामिल हुए थे।

आशा सिंह का निधन..

आकाश सिंह भारद्वाज ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी मां आशा सिंह के निधन की खबरे देते हुए दुख जताया और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने दुख जाहिर करते कहा कि मेरी मां

और मैं एक-दूसरे के लिए थे। उन्होंने मुस्कुराते हुए दुनिया को अलविदा कहा है। आशा सिंह के फैंस ने भी शोक संदेश पोस्ट किए हैं। उनके जाने से उन लोगों के बीच एक खालीपन आ गया है, जिन्होंने सालों तक इंडस्ट्री में उनके काम को सराहा। एक्ट्रेस को हमेशा भारतीय फिल्मों और टेलीविजन शो में उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा।

आकाश सिंह भारद्वाज ने मां आशा सिंह को दी श्रद्धांजलि..

उन्होंने सोशल मीडिया पर आशा सिंह की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'मेरी माताश्री आशा जायसवाल सिंह, चरित्र अभिनेत्री, समाजसेविका, भारत की पहली महिला मिमिक्री आर्टिस्ट (मीना कुमारी की आवाज) और भारत की पहली विश्वव्यापी एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट कंपनी आशा इवेंट्स एंड फिल्म्स की संस्थापक, मालिक एवं संचालक का 22 अगस्त 2026 को शाम 7:30 बजे निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 23 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे पवन हंस श्मशान भूमि, विले पार्ले वेस्ट में होगा। वह एक कर्मठ आयरन लेडी थीं। आप सभी उनकी आत्मा की सद्गति और शांति के लिए प्रार्थना करें। साथ ही उनके काम को सोशल मीडिया पर जरूर देखें और उन्हें याद रखें ताकि उनकी आत्मा जहां भी हो। यह देखकर प्रसन्न हो कि आप आज भी उनके काम को देख और याद कर रहे हैं। क्योंकि उनके जीवन में कर्म ही सब कुछ था, और यही कर्म उनकी मृत्यु के बाद उन्हें ब्रह्मानंद और मोक्ष प्रदान करें, इसी आशा के साथ मैं यह संदेश प्रसारित कर रहा हूं। मृत्यु का दुख नहीं, आनंद और ब्रह्मानंद–यही उनका संदेश था।'

आशा सिंह की मौत से पसरा मातम..

आशा सिंह के निधन पर फैंस ने सोशल मीडिया पर अपना दुख जाहिर किया। एक फैन ने लिखा, 'दिल तोड़ने वाली खबर। उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।' एक और फैन ने उन्हें एक अनुभवी कलाकार के तौर पर याद करते हुए कहा, 'इंडस्ट्री के लिए यह एक दुखद नुकसान है। उनके काम को हमेशा याद रखा जाएगा।' तीसरे फैन ने उनके परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए लिखा, 'वो चली गई, लेकिन कभी भुलाई नहीं जा सकेंगी। उनकी आत्मा को शांति मिले।'

आशा सिंह को 'महाभारत' से मिली पहचान..

आशा भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का एक जाना-माना चेहरा थी और कई सालों तक कई फिल्मों और टेलीविजन शो से जुड़ी रहीं। आशा सिंह ने बी.आर. चोपड़ा के ऐतिहासिक टीवी सीरियल 'महाभारत' में काम किया था, जिसमें उन्होंने कृपाचार्य की बहन, द्रोणाचार्य की पत्नी और अश्वत्थामा की मां 'कृपी' का किरदार निभाया था।

सद्गुरु की सलाह पर एक्टिंग छोड़ खेती करने लगे थे राजेश कुमार, 2 करोड़ के कर्ज में डूबे, फिर फिल्म बनी सहारा..

डेस्क जगप्रेरणा।

'साराभाई वर्सेज साराभाई' में रोसेश साराभाई का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुए एक्टर राजेश कुमार एक बार फिर चर्चा में हैं। अभिनेता ने हाल ही में अपने करियर के उस फेज के बारे में बात की जब उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी थी और खेती शुरू कर दी थी।

राजेश कुमार 2017 में एक्टिंग छोड़कर अपने होमटाउन गया चले गए और खेती करने लगे। राजेश कुमार ने उनके फैंस सहित कईयों को चौंका दिया। अभिनेता के कई फैंस उनके इस फैसले से निराश भी हो गए थे, हालांकि बाद में उन्होंने एक्टिंग में वापसी कर ली। अब राजेश कुमार ने इस फैसले के बारे में खुलकर बात की और बताया कि आध्यात्मिक गुरु सद्गुरू से हुई बातचीत के बाद उन्होंने ये फैसला लिया था।

जब राजेश कुमार ने एक्टिंग छोड़ पकड़ी खेती की राह..

राजेश कुमार ने 'द मिस्टिक वर्ल्ड' के साथ बातचीत में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री छोड़कर बागवानी करने के अपने फैसले के बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि एक समय पर वह 2 करोड़ से ज्यादा के कर्ज में डूब गए थे। ऐसे में उन्होंने बेटे के स्कूल के बाहर सब्जियां तक बेची। अभिनेता ने बताया कि वह काफी कर्जे में थे और आर्थिक तंगी से घिर चुके थे, लेकिन इसके बाद भी उन्होंने खुद को या अपने परिवार को डिप्रेशन में नहीं डूबने दिया और इसीलिए वह इस अनुभव को अपनी नाकामी नहीं मानते।

सद्गुरु से बातचीत के बाद एक्टिंग छोड़ शुरू की बागवानी..

राजेश कुमार बताते हैं कि ये सद्गुरु थे, जिन्होंने उन्हें बागवानी के लिए प्रेरित किया। अभिनेता ने बताया कि शुरुआत में उन्हें सद्गुरु की बातें समझ नहीं आती थीं, लेकिन फिर वे उनके अनुयायी बन गए और ईशा फाउंडेशन के लिए कई इवेंट्स भी होस्ट किए। एक दिन सद्गुरु की 'रैली फॉर रिवर्स' कैंपेन के दौरान उनकी एक बात राजेश के मन में बैठ गई और इस बात ने उनका जिंदगी के प्रति नजरिया बदलकर रख दिया। इसी बातचीत के बाद उन्होंने एक्टिंग छोड़कर बागवानी का रुख कर लिया। राजेश कुमार पहले भी बागवानी के अपने फैसले पर बात कर चुके हैं। इस दौरान राजेश ने बताया था कि कैसे वह कर्ज के दलदल में फंस गए थे, जिसके बाद उनकी बहनों ने उनकी मदद की। उनकी बहन विदेश से नौकरी छोड़कर उनके पास आ गई थी।

क्या बोले राजेश कुमार?

राजेश कुमार कहते हैं- 'रैली के दौरान सद्गुरु ने कई बार कहा- 'मुझे अपने राज्य से 100 युवा दीजिए और मैं खेती का चेहरा बदलकर रख दूंगा। मगर मुझसे तीन साल तक ये मत पूछना कि मेरा क्या होगा?' उनकी ये बात सुनने के बाद मैं अपने गांव पहुंचा और उनकी उस बात पर विचार किया कि- जिस दिन आप अपने बारे में सोचना छोड़ देते हैं, उसी दिन से आप दूसरों के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं और दूसरे आपके बारे में सोचने लगते हैं। मेरे पास जो जानकारी और शिक्षा थी, उसे इस्तेमाल करके मैं किसान बन गाय।

बागवानी की कोशिश की और बुरी तरह नाकाम रहा। लेकिन, सद्गुरु की कृपा से मैं इसे नाकामी नहीं कहूंगा। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैं इसे कोई लेबल नहीं देना चाहता। मेरी पहली बागवानी तब बर्बाद हुई जब मेरे इलाके में लगभग 35 साल बाद बाढ़ आ गई और फिर कोविड 19 की वजह से काम में रुकावट आई।' देखते ही देखते राजेश पर 2 करोड़ का कर्ज हो गया और फिर उन्होंने इसे अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और अपनी आध्यात्मिकता को प्रभावित नहीं होने दिया।

गोविंदा ने अपनाया कड़ा रुख, दी 100 करोड़ के मानहानि केस की चेतावनी, भ्रामक और AI कंटेंट नहीं करेंगे बर्दाश्त..

डेस्क जगप्रेरणा।

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। पत्नी सुनीता आहूजा, गोविंदा पर कई गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। इस बीच गोविंदा ने कड़ा रुख अपनाते हुए फेक और एआई कंटेंट को लेकर सख्त कदम उठाया है।

अभिनेता ने अपने, अपने परिवार और पर्सनल लाइफ को लेकर गलत, भ्रामक और एआई जनरेटेड कंटेंट फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए लीगल नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में साफ किया गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अगर उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर भ्रामक अफवाहों और एआई कंटेंट फैलाया गया तो उनके खिलाफ मानहानि के तहत कदम उठाया जाएगा।

गोविंदा ने अपनाया कड़ा रुख..

ANI के अनुसार, गोविंदा द्वारा जारी इस नोटिस में डिजिटल प्लेटफॉर्म, मीडिया संस्थान और कंटेंट क्रिएटर्स को चेतावनी दी गई है कि वे कोई भी ऐसा कंटेंट अपलोड, ब्रॉडकास्ट, पब्लिश या शेयर न करें जिससे गोविंदा या उनके परिवार की छवि को खराब करता है या इसे गलत तरीके से पेश करता है। इसमें कहा गया है कि जो भी लोग इसमें जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफसिविल और क्रिमिनल कार्रवाई की जा सकती है और अभिनेता की ओर से उनकी और उनके परिवार की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए 100 करोड़ रुपये तक का हर्जाना मांगा जा सकता है।

एआई कंटेंट और डीपफेक पर जताई आपत्ति..

गोविंदा की लीगल टीम ने खास तौर पर मॉर्फ्ड इमेज, डीपफेक और **AI** से बने सिंथेटिक कंटेंट के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। नोटिस में कहा गया है कि अगर एआई या किसी तरह की दूसरी डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके एक्टर की आवाज, फ़ोटो, या उनकी पर्सनल और पारिवारिक लाइफ से जुड़ी चीजों को गलत तरीके से या उनमें बदलाव करके पेश किया गया तो उनके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा। ऐसा कोई भी कंटेंट पाए जाने पर उसके खिलाफ मानहानि, निजता के उल्लंघन, पहचान का गलत इस्तेमाल और साइबर क्राइम से जुड़े कानूनों के तहत कानूनी कार्रवाई होगी।

राखी सावंत और सुनीता आहूजा की बातचीत का वीडियो हुआ था वायरल..

गोविंदा ने ये कदम ऐसे समय पर उठाया है जब राखी सावंत और सुनीता आहूजा की बातचीत का वीडियो चर्चा में है। दरअसल, वीडियो में राखी सावंत, पैपराजी के सामने सुनीता आहूजा को कॉल करती हैं, जहां सुनीता ये कहती हैं कि गोविंदा दूसरी शादी की प्लानिंग कर रहे थे और इसीलिए उन्होंने अपनी तलाक की अर्जी वापस ले ली। इस वीडियो के सामने आने से पहले भी कई बार सुनीता आहूजा सीधे तौर पर और परोक्ष रूप से गोविंदा पर एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर के आरोप लगा चुकी हैं।

38 साल की उम्र में भारतीय क्रिकेटर ने किया रिटायरमेंट का ऐलान, सिर्फ 1 टेस्ट मैच में मिला मौका..

डेस्क जगप्रेरणा।

भारत के लिए 4 इंटरनेशनल मैच खेल चुके 38 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला साल 2014 में खेला था, जिसके बाद उन्हें दोबारा भारतीय टीम में शामिल होने का मौका नहीं मिला। आईपीएल **(IPL)** में वह चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद जैसी बड़ी टीमों के लिए खेल चुके हैं। **P T** 20 लीग के दौरान उन्होंने संन्यास का ऐलान किया।

25 अगस्त को आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे कर्ण शर्मा..

ESPN क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक कर्ण शर्मा 25 अगस्त को आखिरी बार अपनी टीम के लिए खेलने मैदान पर उतरेंगे। इसके बाद वह क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लेंगे। अपने इस फैसले को लेकर कर्ण शर्मा ने कहा कि अब मैं संन्यास लेना चाहता हूं। मैं अपने परिवार, बीसीसीआई, रेलवे, यूपीसीए, आंध्र प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन, विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन और इस पूरे सफर में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों का बहुत आभारी हूं। मैं इसके बाद, कोचिंग और क्रिकेट से संबंधित अन्य जिम्मेदारियों के लिए उपलब्ध रहूंगा।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर्ण शर्मा का रिकॉर्ड रहा शानदार..

कर्ण शर्मा ने भारत के लिए कुल 4 इंटरनेशनल मैच खेले, जिनमें 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी20 मुकाबला शामिल है। टेस्ट में 4 और **T20I** में एक विकेट सहित कुल 5 विकेट उन्होंने अपने नाम किए। भले ही उन्हें देश के लिए ज्यादा खेलने का मौका न मिला हो, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन बहुत शानदार रहा। उन्होंने फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट मिलाकर कुल 551 विकेट अपने नाम किए। कर्ण ने 97 फर्स्ट क्लास मैचों में 270 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने 123 लिस्ट ए मैचों में 153 विकेट और 191 टी20 मुकाबलों में 168 विकेट हासिल किए।

कर्ण शर्मा ने लगातार तीन सालों में तीन अलग-अलग टीमों के साथ जीती ट्रॉफी..

कर्ण शर्मा के आईपीएल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने लगातार तीन सालों में तीन अलग-अलग टीमों के साथ आईपीएल ट्रॉफी जीती। उन्होंने साल 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद, 2017 में मुंबई इंडियंस और 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहते हुए यह खिताब अपने नाम किया। 2018 में अपनी तीसरी ट्रॉफी जीतते ही वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों की खास सूची में शामिल हो गए जिन्होंने लगातार तीन साल अलग टीमों से खेलते हुए टूर्नामेंट जीता। उन्होंने अपना आखिरी आईपीएल मैच 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था।

सूर्यवंशी का बल्ला नहीं चला, घरामी और शाहबाज के शतक से पूर्व क्षेत्र मजबूत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

बंगाल के मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज सुदीप घरामी ने पिछले घरेलू सत्र की शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए रविवार को दलीप ट्रॉफी के पहले दिन 146 रन की शानदार पारी खेली जिससे पूर्वी क्षेत्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के खिलाफ दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 355 रन बना लिए। घरामी को शाहबाज अहमद का अच्छा साथ मिला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 150 रन की साझेदारी कर ईस्ट जोन को पांच विकेट पर 138 रन की मुश्किल स्थिति से उबारा। शाहबाज 100 रन बनाकर नाबाद रहे।

दिन की शुरुआत में वैभव सूर्यवंशी केवल आठ रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने मिडविकेट के ऊपर से शानदार शॉट और फिर कवर ड्राइव लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन मणिपुर के गेंदबाज बिश्वरजीत कोंथौजाम की गेंद पर कट लगाने के प्रयास में गली में कैच दे बैठे। अभिमन्यु ईश्वरन 15 रन ही बना सके। मध्यम गति के गेंदबाज जोतिन सिंह की गेंद पर वह पगबाधा आउट हुए। इसके बाद कुमार कुशाग्र और घरामी ने तीसरे विकेट के लिए 92 रन जोड़े। कुशाग्र ने 65 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 55 रन बनाए और अच्छी लय में नजर आए। घरामी ने भी पारी को संभालते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई। कुशाग्र के आउट होते ही ईस्ट जोन के विकेट जल्दी-जल्दी गिरने लगे। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज ईशान किशन और विराट सिंह भी जल्द ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद घरामी और शाहबाज ने मोर्चा संभाला। पिछले साल घरेलू क्रिकेट में 795 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर रहे घरामी ने शानदार बल्लेबाजी की।

उन्होंने पैरों की ओर आने वाली गेंदों को आसानी से सीमा रेखा के पार भेजा और ऑफ साइड में भी शानदार ढंग से खाली जगह तलाशते रहे। इसी दौरान उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट का नौवां शतक पूरा किया। घरामी ने 185 गेंदों की अपनी पारी में 25 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं शाहबाज ने 137 गेंदों का सामना करते हुए नौ चौके और दो छक्के जड़े। पूर्वोत्तर क्षेत्र के गेंदबाजों के अनुभव की कमी का फायदा पूर्व क्षेत्र के बल्लेबाजों को मिला। घरामी के आउट होने तक टीम काफी हद तक संभल चुकी थी। इसके बाद शाहबाज और अनुकूल रॉय ने 67 रन और जोड़कर पहली पारी में 450 से अधिक रन बनाने की उम्मीद जगा दी।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

साहित्य अभिव्यक्ति

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

जेन अल्फा :स्कूल सुधार से लोकतांत्रिक चेतना तक..

भारत की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का कोई एक अकेला कारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे अपर्याप्त बजट आवंटन, बुनियादी ढांचे की कमी और जवाबदेही का अभाव है।स्कूलों में नियमित शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और जो शिक्षक हैं, उनका शिक्षण स्तर व प्रशिक्षण आधुनिक समय के अनुकूल नहीं है।शिक्षा प्रणाली कौशल विकास या व्यावहारिक ज्ञान के बजाय केवल परीक्षा में अंक लाने और रटने पर जोर देती है। सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है। जुलाई और अगस्त 2026 में उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान तक सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के आंदोलनों की जो श्रृंखला दिखाई दी है, वह इसी बदलाव का संकेत है। इन आंदोलनों की मांगें किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र से नहीं निकली है। वे बेहद बुनियादी हैं, शिक्षक चाहिए, पंखे चाहिए, साफ पानी चाहिए, शौचालय चाहिए, अच्छा भोजन चाहिए, सड़क चाहिए और सुरक्षित स्कूल चाहिए। लेकिन इन छोटी दिखाई देने वाली मांगों के भीतर भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक बहुत बड़ी विफलता छिपी हुई है। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय की छात्राओं का हालिया आंदोलन इस बदलते माहौल का सबसे ताजा उदाहरण है। करीब 250 छात्राएं भारी बारिश के बीच स्कूल से बाहर निकलीं और सड़क पर उतरकर यातायात रोक दिया। उनकी शिकायतों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख था। रिपोर्टों के अनुसार विज्ञान विषयों में शिक्षकों की कमी ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। यह घटना अकेली नहीं है। कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र में स्कूली बच्चों के विरोध और सड़क जाम की घटनाएं सामने आ चुकी थी। यानी बच्चों ने यह संदेश दे दिया है कि स्कूल के भीतर शिकायत की सुनवाई नहीं होती तो वे स्कूल के बाहर अपनी आवाज सुनाएंगे। यह आवाज अब एक जिले या एक राज्य तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने कई घंटे धरना दिया। उनकी मांगों में साफ पीने का पानी, काम करने वाले पंखे, स्वच्छ शौचालय, फर्नीचर, पुस्तकालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल थी। प्रशासन को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करनी पड़ी और कई मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन देना पड़ा। हमीरपुर में बच्चे स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क की मांग को लेकर तिरंगा लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचे। कीचड़ और दलदल से गुजरकर स्कूल पहुंचना उनकी रोजमर्रा की समस्या थी। बिहार के गया जिले में बच्चों ने खराब मध्याह्न भोजन, जिसमें कीड़े मिलने की शिकायत भी सामने आई, खराब पानी, गंदे शौचालय, पंखों और फर्नीचर की कमी के खिलाफ लगभग चार किलोमीटर मार्च किया।मध्य प्रदेश में भी यह लहर दिखाई दे रही है। छिंदवाड़ा के तामिया स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मेस के भोजन की गुणवत्ता को लेकर बारिश में सड़क पर बैठकर विरोध किया। उनकी शिकायतों में भोजन में कीड़े मिलने और स्वास्थ्य तथा खेल सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे शामिल थे।

उज्जैन में कई सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने स्कूलों को शहर से दूर स्थानांतरित करने की योजना के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। छात्राओं का तर्क था कि दूर जाने से यात्रा का समय और खर्च बढ़ेगा तथा गरीब परिवारों की लड़कियों की पढ़ाई छूट सकती है। बच्चीयों के दबाव में कलेक्टर ने स्कूल स्थानांतरित करने के निर्णय को रोक दिया है। सिरोंज में छात्राओं के विरोध के बाद रियायती बस किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये करने का फैसला वापस लेना पड़ा। महाराष्ट्र में भी शिक्षक अनुपस्थिति, शौचालय और पानी जैसे सवालों पर विद्यार्थियों के विरोध सामने आए हैं। यानी अलग-अलग राज्यों में बच्चे अलग-अलग स्कूलों में हैं, लेकिन उनकी शिकायतों की भाषा लगभग एक जैसी है। असल में ये आंदोलन सरकारी शिक्षा व्यवस्था के उस मॉडल पर सवाल उठा रहा है, जिसमें स्कूल का भवन तो बना दिया जाता है, लेकिन शिक्षक नहीं होते, शौचालय बना दिया जाता है लेकिन पानी नहीं होता, छात्रावास बना दिया जाता है लेकिन भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी नहीं होती, सड़क का बजट स्वीकृत हो जाता है लेकिन बच्चे बारिश में कीचड़ से गुजरते रहते हैं। उनके लिए शिक्षा केवल किताब और परीक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, कक्षा में शिक्षक, पीने का पानी, शौचालय, भोजन, बिजली, सुरक्षा, परिवहन और सम्मान। यही कारण है कि इन आंदोलनों में सबसे मुखर आवाज लड़कियों की दिखाई दे रही है। वे शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा और आवागमन के सवाल को भी सीधे जोड़ रही हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक आंदोलन की तकनीक बदल रही है। अब इसका असर स्कूली बच्चों के आंदोलनों में दिखाई दे रहा है। बच्चा दूसरे जिले में हुए आंदोलन को देखता है और समझता है, ÷अगर वहां के बच्चों ने अपनी मांग मनवाई है, तो हम भी अपनी आवाज उठा सकते हैं।÷ यही वह मनोवैज्ञानिक बदलाव है जो आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जेन अल्फा की सबसे बड़ी ताकत उसकी डिजिटल पहुंच है। ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन 21वीं सदी के युवा कार्यकर्ताओं के लिए नवीनतम उपकरण बन गए हैं। पिछली पीढ़ी में किसी सरकारी स्कूल की खराब स्थिति की शिकायत प्रधानाचार्य, शिक्षक, पंचायत या स्थानीय जनप्रतिनिधि तक सीमित रह जाती थी। शिकायत के बाद फाइल चलती थी और कई बार मामला वहीं समाप्त हो जाता था। आज बच्चे स्कूल के टूटे पंखे, गंदे शौचालय, खराब भोजन, कीचड़ भरे रास्ते या पानी की समस्या का वीडियो बना सकते हैं। फिर वही वीडियो कुछ घंटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इससे स्थानीय समस्या सार्वजनिक जवाबदेही का विषय बन जाती है। यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है क्योंकि सोशल मीडिया ने बच्चों को सिर्फ दर्शक नहीं रखा है, उसने उन्हें दस्तावेज बनाने वाला नागरिक बना दिया है। अभी इसे देशव्यापी, एकीकृत और औपचारिक जेन अल्फा को राष्ट्रीय आंदोलन कहना उचित नहीं होगा। यह साफ तौर पर कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है और इस आंदोलन का कोई ''नेता'' नहीं है। अगर इस आंदोलन का नेतृत्व भी ''नेताओं'' द्वारा किया जा रहा होता, तो यह उस मुकाम पर नहीं जा पाता, जहां तक पहुंच गया है। लेकिन इतिहास में बड़े आंदोलन हमेशा किसी एक दिन में राष्ट्रीय संगठन बनकर पैदा नहीं होते। वे पहले छोटे-छोटे स्थानीय असंतोषों से जन्म लेते हैं।आज लखनऊ में शिक्षक की मांग है।स्कूली बच्चों की इन सभी मांगों को एक सूत्र में बांध दें तो एक बड़ा सवाल सामने आता है कि ÷सरकार हमारे लिए कैसी शिक्षा व्यवस्था बना रही है?÷ यही सवाल इस स्थानीय लहर को राष्ट्रीय मुद्दे में बदल सकता है।आज जेन अल्फा के अधिकांश बच्चे वोट नहीं देंगे। लेकिन यही बच्चे अगले कुछ वर्षों में पहली बार मतदाता बनने वाले हैं। इसलिए राजनीतिक दलों को इस पीढ़ी को केवल ÷बच्चे÷ समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह वह पीढ़ी है जो अपने माता-पिता से अधिक डिजिटल जानकारी रखती है। यह वीडियो देखती है, तुलना करती है, सवाल पूछती है और प्रशासनिक कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से दर्ज करती है।आज जो बच्चा स्कूल के पंखे के लिए सड़क पर बैठ रहा है। कल वही युवा पूछेगा कि मेरे गांव में अस्पताल क्यों नहीं है? मेरे गांव में पानी क्यों नहीं है? मेरे क्षेत्र में सड़क का काम वर्षों से अधूरा क्यों है? सरकार के बजट का पैसा आखिर गया कहां? यानी आज की स्कूल स्तरीय मांगें कल की लोकतांत्रिक और राजनीतिक चेतना का आधार बन सकती है। राजनीतिक दल यदि इस पीढ़ी की आवाज को केवल चुनावी नारे के रूप में इस्तेमाल करेंगे तो शायद यह पीढ़ी उसे भी स्वीकार नहीं करेगी। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस आंदोलन का नेतृत्व हमेशा पारंपरिक राजनीतिक नेता नहीं करेंगे। बच्चे स्वयं मुद्दा उठाएंगे, वीडियो बनाएंगे, समूह बनाएंगे, प्रशासन को ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ने पर सड़क पर बैठेंगे। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर पुलिस भेज देना सबसे आसान रास्ता है। लेकिन इससे समस्या खत्म नहीं होगी। सरकारों को यह समझना होगा कि सड़क पर बैठा बच्चा वास्तव में सरकारी स्कूल की रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठा है। हर आंदोलन को दबाने के बजाय प्रत्येक जिले में स्कूलों की सार्वजनिक सोशल ऑडिट व्यवस्था विकसित की जा सकती है। स्कूलों में शिक्षक पदों की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता, पानी, शौचालय, बिजली, छात्रावास और परिवहन जैसी सुविधाओं का वास्तविक समय में सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाया जा सकता है। छात्रों की शिकायतों के लिए स्वतंत्र और समयबद्ध शिकायत प्रणाली होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बच्चों की आवाज को ÷अनुशासनहीनता÷ मानने के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह डिजिटल लामबंदी और सोशल मीडिया के जरिए पारंपरिक राजनीतिक दलों के नियंत्रण से मुक्त होकर स्वतः स्फूर्त रूप से उभर रहे हैं, जो सत्ता और शासन के खिलाफ नए राजनीतिक समीकरण खड़े कर रहे हैं। यह आंदोलन अभी छोटा है, बिखरा हुआ है और स्थानीय है, लेकिन इसके सवाल राष्ट्रीय हैं। राष्ट्रीय सवाल जब एक पीढ़ी की सामूहिक चेतना बन जाते हैं, तो राजनीति को अंततः बदलना ही पड़ता है।

लेखक

राज कुमार सिन्हा

कण कण में बसते है प्रभु

कण कण में बसते हैं प्रभु,
बात सही तुम मान लो।
प्रभु ही हैं अग जग के मालक
सत्य यही तुम जान लो।

बिना प्रभु के इस जगती का
काम नहीं चल सकता है।
सूरज उदय नहीं हो सकता
चांद नहीं ढल सकता है।
श्वास हमारी चलना- रुकना
प्रभु का ही एक खेल है।
हम तो हैं बस उसके डिब्बे
दुनिया प्रभु की रेल है।
प्रभु बिन नहीं अस्तित्व जगत् का
इस का तुम संज्ञान लो।
कण कण में बसते हैं प्रभु
बात सही तुम मान लो।।

सुख- दुःख तो मेहमान हमारे
लगा रहे आना- जाना।
रोग- कष्ट सब कर्म दंड है
किया जो फल उसका पाना।
नाते- रिश्ते, सगे- सम्बन्धी
यह सब प्रभु की माया है।
प्रभु का जब आशीष मिला
सुख- वैभव हमने पाया है।
हममें प्रभु है, प्रभु में हम है
इतना मन में ठान लो।
कण कण में बसते है प्रभु
बात सही तुम मान लो।।

रचनाकार

शशि तिवारी,
गोंदिया (महाराष्ट्र)

अभी न जाओ छोड़ कर..

अभी न जाओ छोड़ कर
कि दिल अभी भरा नहीं,
तुम आई थी शाम को,
दिन अभी ढला नहीं,
मत जाओ मुंह मोड़ कर,
मुझे राह में अकेले छोड़ कर,
सफर अभी खत्म हुआ नहीं,
मेरा दिल तुमसे अभी भरा नहीं,
चलो अभी मेरे साथ तुम,
पकड़ो मेरा हाथ तुम,
एक ही तमन्ना है मेरी,
कि रहो मेरे साथ तुम,
मेरे सामने रहो सुबह-शाम तुम।

रचनाकार

प्रणव राज, बिहार

शब्दवर्गपहेली क्र.- 253

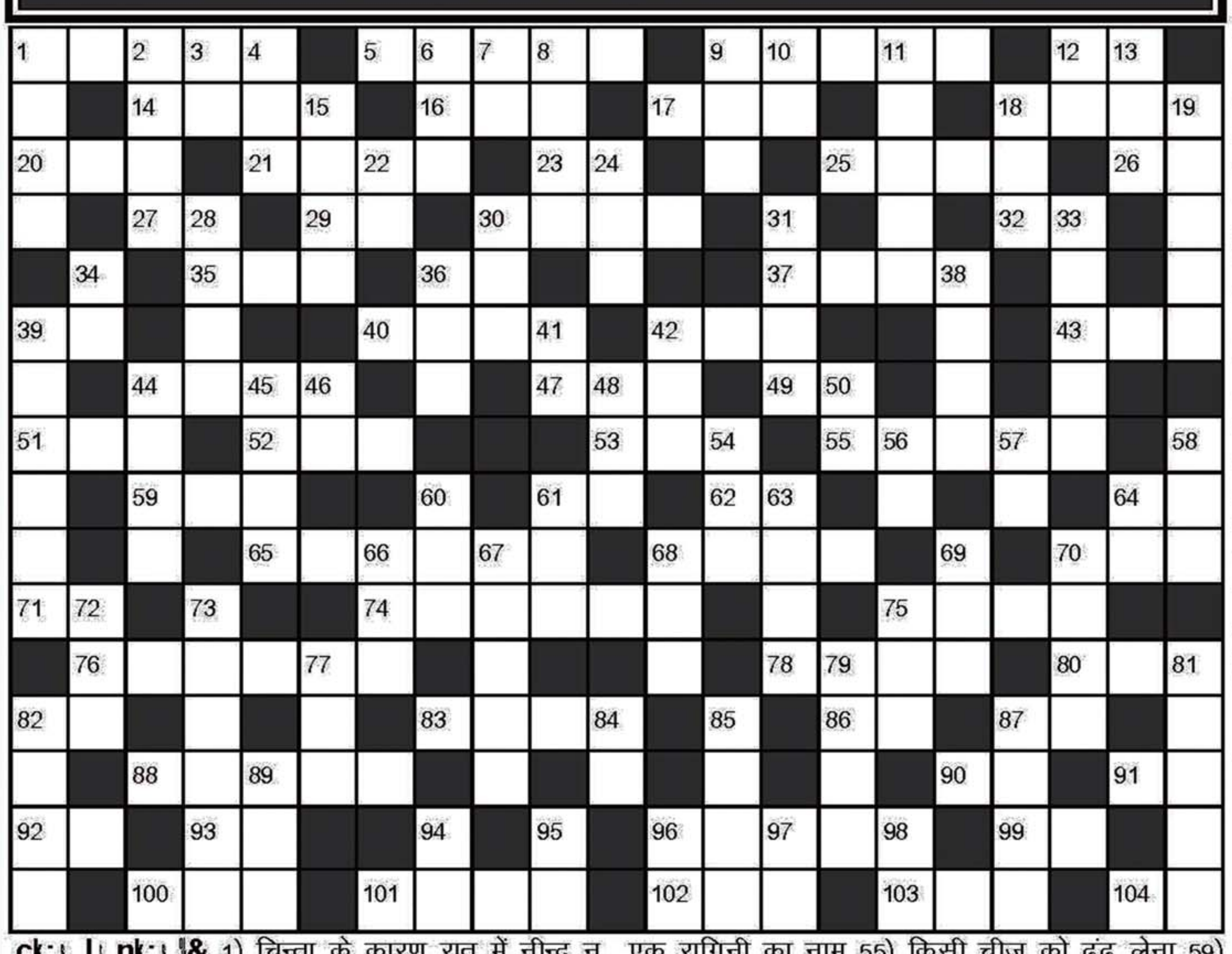

ck;। l। nk;। ।& 1) चिन्ता के कारण रात में नीन्द न आना इस अर्थ का एक मुहावरा 5) आत्मीयता, अपना होने का भाव 9) वह कागज जिसपर लिखा हुआ लेख किसी बात का प्रमाण हो 12) किसी पौधे का कड़ा और नुकीला अंकुर 14) रथ का पहिया 16) किसी प्रिय जन के वियोग से होनेवाला दुःख 17) बेटी का पति 18) लड़कपन, बाल्यावस्था 20) बायां का उलटा, दक्षिण 21) केवल नाम के लिये, अल्प 23) वह शब्द जिससे किसी व्यक्ति का बोध हो 25) प्रचार करनेवाला 26) नृत्य, नाच 27) बारीक सूजी 29) शकित, ताकद 30) सूर्य 32) छोटे डील–डौल का 35) बुद्धिमान, सावधान 36) शुष्क, जो गीला न हो 37) विरोध, बदला 39) कान में पहनने का एक आभूषण 40) लिखित आज्ञापत्र, आदेशपत्र 42) उन्नति, आगे बढ़ने का भाव 43) बिल्ली (सं.) 44) आपका 47) हेतू, उद्देश्य, साधन 49) आनंद, मनोविनोद, जायका 51) चौदहों भुवनों का समूह, सम्पूर्ण विश्व 52) नाश करनेवाला 53) विजय, एक रागिनी का नाम 55) किसी चीज को ढुंढ़ लेना 59) किसी वस्तु को आग या कढ़ाई में डालकर सुखा पकाना 61) नोंक, अग्रभाग, सिरा 62) पति, नाथ 64) वह द्रव्य जिससे कोई वस्तु बनी हो 65) भय से उत्पन्न कंपकंपी 68) नाव का वह पुरजा जो नाव के की पीछे की ओर लगा होता है, जिसके द्वारा नाव मोड़ी या घुमाई जाती है 70) सरीखा, तुल्य, बराबर 71) मध्य प्रदेश का एक जिला मुख्यालय 74) बहुतसी संपत्ती अचानक प्राप्त होना 75) प्राचीन काल से चला आता हुआ 76) कुदृष्टि का प्रभाव पड़ना 78) अपराध की शिकायत, दुहाई 80) बिलकुल चुप रहने का भाव, निःशब्दता 82) स्थापित करना, निश्चित करना 83) जो केवल देखने योग्य हो पर किसी काम न आ सके 86) निषेध, रोकना 87) जल 88) गगनमंडल, आकाश 90) घ्राणेंद्रिय 91) प्यार, अनुराग 92) भुजा, बाहू 93) हनुमानजी का शस्त्र 96) एकमत 99) संध्या 100) बहुत ऊंचा स्तंभ 101) वह पदार्थ जिसमे नमक का स्वाद हो 102) चंचल, हिलता हुआ 103) ताश के पत्तों में से एक 104) लोहे की कील, सूली

Åij l। uhp। ।& 1) आदेश का पालन करनेवाला, सेवक 2) काठियावाड़ प्रान्त का एक पर्वत 3) महाराष्ट्रीयन स्त्रियोंद्वारा नाक में पहना जानेवाला एक गहना 4) नृत्य करना 6) शुद्ध, निर्मल, पाक 7) नारी,, स्त्री 8) पहनने का मुख्य वस्त्र, पहनने का ढंग 9) असावधानी, अन्तःकरण की दुर्बलता 10) हर्ष, प्रसन्नता 11) रोगी की सेवा करनेवाली सेविका 12) शीशा 13) घोड़े का पैर पटकना 15) सिलसिलेवार, क्रमयुक्त 18) व्यर्थ की बातें करना 19) नृत्य कला में प्रवीण व्यक्ति, श्रीकृष्ण 22) कीमती सामान 24) बारह राशियों में से एक 28) वसुदेव पुत्र श्रीकृष्ण 30) आडंबर, ऊपरी तड़क भड़क 31) अद्वितीय, अनुपम 33) चैन से दिन बिताना 34) बगीचे में काम करनेवाला 36) कामधेनु, गाय 38) श्रीरामजी का वंश 39) वह जिसने बाल्यावस्था से ही ब्रह्मचर्य व्रत धारण किया हो 41) शहर के प्रवेशद्वार की चौकी 42) प्रेम, प्रिति 44) अन्न भुजनेवाला 45) गरीबों का उद्धार करनेवाला 46) सफलता 48) रात्र, निशा 50) वर्ग, श्रेणी 54) विष्णुजी का एक नाम 56) ज्वालामुखी से निकलनेवाला तप्त रस 57) ग्रहण करना, प्राप्त करना 58) भरण पोषण, रक्षण 60) सबसे अलग, भिन्न 61) न टलनेवाला, स्थिर 63) वेश्या 64) मां का भाई 66) पकड़ना, ठहराना 67) स्नान घर (अरबी) 68) आश्रय, रक्षा, शरण 69) आवाज, शब्द 70) खलबली,, उद्वेग 72) मर्कट, बन्दर 73) दुर्गति होना इस अर्थ का एक मुहावरा 75) समझदार, चतुर 77) विष्णुजी का वाहन 79) जल के छोटी छोटी बुंदों की वर्षा 81) आज का काम कल पर डालना, आज कल करना 82) शान शौकत, सजधज, तड़क भड़क 84) तिलक, व्याख्या 85) सौदा बेचनेवाला, व्यापारी 87) रसोईघर 89) स्वर्ग का एक देववृक्ष 94) अल्प, न्यून 95) पैसा, द्रव्य 96) साधु, महात्मा 97) प्राचीन काल के निषध देश का राजा और दमयंती का पति 98) देह, शरीर (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

मु	स	कु	रा	ना		क	स	म		वि	ज	य	आ	नं	द		सु	रा	पा	न
ला	ली		जा	मी	न		म	द	द		ल		ब	द	श	क	ल		ल	व
का	म	गा	र		र	सा	य	न	शा	स्त्र		स	ह		र	म	ता	रा	म	
त		वा	वि	क		धा		मो			क	र	वा	चौ	थ		न	त		ख
	ये		व		प	र	वा	ह		न	र	सौं				दा		रा	ह	त
रा		ध	र्मा	च	र	ण		न	ज	दी	क		ब	ल	वा	न		नी	ल	म
म	ल	मा		ला	त		वि	मा	न		म	द	द	गा	र		दा		ध	
दु	त	का	र	ना		म		ल		म	ल	या	ल	म		खू	ब	सू	र	त
ला			ज		म	हा	दे	वी	व	र्मा		वा		ल	ख	न		ना		ब
री	ति	रि	वा	ज		ब		य		ह	व	न		गा	ली		स	प	ना	
सि	ल		ड़ा		सु	ले	ख		भी	त	र		मु	ना	फा		म	न		का
न्हा		अ		नौ		श्व	स	न			दा	द	र			अ	स्त		अ	ज
	अ	ध	म		प	र	ख		हि	र	न		ली	पा	पो	ती		र	म	ल
क	न	क		ह	क		स	प्र	मा	ण		बा	ध	क		त	स	बी	र	
	ब	च	ना		वा	त		सा	ल		श	ह	र		ना	का	म		ना	व
पु	न	रा	ग	म	न		उ	द	य	शं	क	र		अ	का	ल		मं	थ	न

anumeya-08446302691

जग प्रेरणा

व्यापार समाचार

● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

चीनी की कुछ खेप 15 अक्टूबर से पहले पहुंच सकती हैं, भंडार नियंत्रण से कीमतों में नरमी: एनएफसीएसएफ

नई दिल्ली, (भाषा)।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) के प्रमुख प्रकाश नाइकनवारे ने रविवार को कहा कि चीनी की कुछ खेप 15 अक्टूबर से पहले भारत पहुंच सकती हैं, लेकिन इस समय यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि कितनी मात्रा में चीनी आएगी।

उन्होंने कहा कि फिलहाल ब्राजील ही चीनी आयात का व्यावहारिक स्रोत है। पारंपरिक आपूर्तिकर्ता थाईलैंड में खुद चीनी की कमी होने के कारण वहां से आयात की संभावना नहीं है।

नाइकनवारे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि ब्राजील से भारतीय बंदरगाहों तक चीनी पहुंचने में आमतौर पर 40-45 दिन लगते हैं। इसके बाद बंदरगाह से चीनी मिल तक माल पहुंचने में भी समय लगता है।

उन्होंने कहा, ''इसलिए 15 अक्टूबर से पहले कितनी चीनी पहुंच सकती है, इसका आंकड़ा देना मुश्किल है, लेकिन उस तारीख तक कुछ खेप के पहुंचने की अच्छी संभावना है।''

नाइकनवारे ने कहा कि सरकार द्वारा 31 अक्टूबर तक खेप पहुंचने की समयसीमा को सख्ती से लागू करने की संभावना नहीं है और इस तारीख के बाद भारत पहुंचने वाली रास्ते में मौजूद चीनी की खेपों को भी अनुमति दी जा सकती है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि सरकार उस तारीख के बाद पहुंचने वाली खेपों पर भी विचार करने को तैयार होगी। मुझे नहीं लगता कि इसे सख्त और अंतिम समयसीमा माना जाएगा।''

सरकार ने 20 अगस्त को घरेलू बाजार में बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए 10 लाख टन तक कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी थी। सीमित आपूर्ति के कारण देशभर के खुदरा और थोक बाजारों में चीनी की कीमतें एक महीने में 24 प्रतिशत बढ़कर 56-60 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई थीं।

नाइकनवारे ने कहा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात और आंध्र प्रदेश जैसे बंदरगाह वाले राज्यों को आयातित कच्ची चीनी उत्तरी राज्यों की तुलना में जल्दी मिलने की संभावना है। हालांकि, उत्तर भारत के राज्यों को भी पहले इन्हीं बंदरगाहों के जरिये सड़क और रेल मार्ग से चीनी भेजी जाती रही है।

उन्होंने कहा कि महासंघ ने 2025-26 के चीनी सत्र के लिए शुद्ध चीनी उत्पादन का अनुमान 279 लाख टन पर बरकरार रखा है। यह अनुमान सत्र की शुरुआत से ही अपरिवर्तित है, जबकि अन्य उद्योग संगठनों ने अपने अनुमानों में कई बार बदलाव किया है। इसमें एथनॉल उत्पादन के लिए इस्तेमाल की गई अनुमानित 24 लाख टन चीनी शामिल नहीं है।

उन्होंने कहा कि एक अक्टूबर से शुरू होने वाले 2026-27 के चीनी सत्र में शुरुआती भंडार करीब 35 लाख टन रहने का अनुमान है। यह करीब 22 लाख टन की मासिक घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। नवंबर तक 15-20 लाख टन चीनी का भंडार बचने की उम्मीद है। तब तक शुरुआती पेराई से बाजार में नई आपूर्ति आने लगेगी।

नाइकनवारे ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि घबराने जैसी कोई स्थिति होगी।''

यह पूछे जाने पर कि महासंघ के स्थिर उत्पादन अनुमान का सरकार के पहले के निर्यात संबंधी फैसले में असर क्यों नहीं दिखा, उन्होंने कहा कि सरकार ने यह फैसला उद्योग संगठनों के बजाय राज्यों के गन्ना आयुक्तों से मिले आंकड़ों के आधार पर किया था। उस समय आपूर्ति की स्थिति भी निर्यात की अनुमति देने के अनुकूल थी।

उन्होंने कहा कि भारत ने 20 लाख टन के निर्धारित निर्यात कोटे के मुकाबले केवल आठ लाख टन चीनी का निर्यात किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के अनुकूल नहीं होने के कारण निर्यात प्रभावित हुआ। उनके अनुसार, प्रतिबंध नहीं होने पर भी निर्यात 10 लाख टन से अधिक होने की संभावना नहीं थी।

सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए 13 मई को 30 सितंबर तक चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी थी। ये टिप्पणियां केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा द्वारा पिछले शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उद्योग पर कीमतें बढ़ाने और भंडार जमा करने के आरोप लगाए जाने के बाद आई हैं।

नाइकनवारे ने कहा कि खाद्य सचिव ने संवाददाता सम्मेलन से पहले महासंघ और भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ (आईएसएमए) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी।

उन्होंने पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और सट्टेबाजी से कीमतें बढ़ने से रोकने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि मिल स्तर पर कीमतें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को छोड़कर 65-67 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थीं, जो शनिवार को हुई निविदाओं में पांच रुपये प्रति किलोग्राम घट गईं। उनका अनुमान है कि राज्यों में निगरानी बढ़ने के साथ अगले सप्ताह भी कीमतों में नरमी जारी रहेगी।

नाइकनवारे के अनुसार, केंद्र ने भंडार पर नियंत्रण के लिए चार चरणों में कदम उठाए हैं। इनमें एक से 14 अगस्त के बीच मिल स्तर पर भंडार का भौतिक सत्यापन, कारोबारियों के लिए 200 टन की भंडार सीमा, थोक खरीदारों के लिए अलग सीमा और हाल में कारोबारियों तथा मिल मालिकों के गोदामों का राज्य स्तर पर निरीक्षण शामिल है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों में निगरानी के लिए विशेष दल भी तैनात किए गए हैं और महासंघ ने अपने सदस्यों से भी सहयोग करने की अपील की है।

उन्हें उम्मीद है कि अगले सप्ताह स्थिति में काफी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिलों ने बड़े पैमाने पर निर्धारित कोटे के भीतर काम किया है और सट्टेबाजी से दूरी बनाए रखी है।

विपक्षी दल पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण बढ़ाने की नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। उनका आरोप है कि इस नीति के कारण चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं और आम लोगों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है।

सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कीमतें बढ़ाने के लिए चीनी उद्योग को जिम्मेदार ठहराया है। सरकार का कहना है कि देश में घरेलू मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त चीनी का भंडार मौजूद है।

एक सुपरमार्केट संचालक ने रविवार को बताया कि महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में खुली चीनी की कीमत बढ़कर 75-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

विशेषज्ञों ने कीमतों में इस तेज वृद्धि के लिए कई कारण बताए हैं और एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी की आपूर्ति को इसका मुख्य कारण मानने से इनकार किया है।

महाराष्ट्र के पूर्व चीनी आयुक्त शेखर गायकवाड़ ने कहा कि गन्ने का उत्पादन और प्रति हेक्टेयर उपज दोनों में कमी आ रही है, जिससे कुल चीनी उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि गन्ना उत्पादक प्रमुख राज्यों की संख्या भी घट रही है।

गायकवाड़ ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''भारत में गन्ने का उत्पादन घट रहा है। गन्ने की कुल मात्रा में भी कुछ कमी आई है, जिससे चीनी का कुल उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सरकार उत्पादन बढ़ाने के लिए नई नीति बनाती है तो भी उसके परिणाम आने में करीब 30-36 महीने लगेंगे। गन्ना उत्पादन वाले प्रमुख राज्यों की संख्या भी घट रही है। सरकार को एक बार फिर चीनी के भंडार की जांच करनी चाहिए।''

राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश दांडेगांवकर ने कहा कि देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में भी गन्ने की पेराई का मौसम छोटा हुआ है।

उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में गन्ने की पेराई की अवधि भी कम हो गई है। जो मिलें पहले साल में करीब 150 दिन तक गन्ने की पेराई करती थीं, उन्होंने अब इसे घटाकर करीब 100 दिन कर दिया है क्योंकि यह कारोबार अब लाभदायक नहीं रह गया है। हम किसानों को 3,650 रुपये प्रति टन का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) दे रहे हैं, जबकि चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3,100 रुपये है।''

ग्रासिम को वित्त वर्ष 2026-27 में दो लाख करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद: कुमार मंगलम बिड़ला..

नई दिल्ली, (भाषा)।

ग्रासिम इंडस्ट्रीज का एकीकृत कारोबार वित्त वर्ष 2026-27 में दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि भवन निर्माण सामग्री, वित्तीय सेवाओं, डिजिटल वाणिज्य और नवीकरणीय ऊर्जा सहित विविध कारोबार से कंपनी को वृद्धि में मदद मिलेगी।

आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनियों अल्ट्राटेक सीमेंट, आदित्य बिड़ला कैपिटल, बिड़ला ओपस, आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स और बिड़ला पिवट की होल्डिंग कंपनी ग्रासिम ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.75 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक एकीकृत कारोबार दर्ज किया था।

बिड़ला ने शुक्रवार को ग्रासिम की 79वीं सालाना आम बैठक में कहा कि कंपनी 25 अगस्त को अपने गठन के 80 वर्ष पूरे करेगी। अब कंपनी 10 कारोबार क्षेत्रों में काम करती है और उसका बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

उन्होंने कहा कि कंपनी की आय में विभिन्न कारोबार क्षेत्रों का योगदान लगातार संतुलित हो रहा है। स्थापित कारोबार मजबूत नकदी प्रवाह दे रहे हैं, जबकि नए कारोबार तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

बिड़ला ने कहा, ''हमें भरोसा है कि वित्त वर्ष 2026-27 में ग्रासिम का एकीकृत कारोबार दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। यह पांच साल पहले के स्तर से करीब दोगुना होगा।''

उन्होंने कहा कि कंपनी अब वृद्धि के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और उसका आकार बढ़ने के साथ महत्वाकांक्षाएं भी व्यापक हुई हैं। ग्रासिम भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ और अधिक मजबूती से जुड़ रही है।

बिड़ला ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रासिम ने अपने विविध कारोबार की मजबूती को आगे बढ़ाया। कंपनी ने मुख्य कारोबार क्षेत्रों में गति बनाए रखी, नए कारोबार का विस्तार किया और पूंजी के विवेकपूर्ण इस्तेमाल, परिचालन दक्षता तथा दीर्घकालीन शेयरधारक मूल्य बढ़ाने पर ध्यान दिया।

भवन निर्माण सामग्री कारोबार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट ने इस साल अप्रैल में सालाना 20 करोड़ टन की ग्रे सीमेंट उत्पादन क्षमता का आंकड़ा पार किया।

वहीं, पेंट कारोबार बिड़ला ओपस ने शुरुआत के दो साल के भीतर सजावटी पेंट के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है।

बिड़ला ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में बिड़ला ओपस का कारोबार सालाना आधार पर दोगुना हुआ और अकेले इसके कारोबार के आधार पर भारतीय सजावटी पेंट बाजार में उसकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत रही। क्षमता के आधार पर कंपनी देश में दूसरे स्थान पर रही।

उन्होंने कहा कि बिड़ला व्हाइट पुट्टी कारोबार को शामिल करने पर सजावटी पेंट बाजार में समूह की कारोबार हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से अधिक के शुरुआती दहाई अंक में पहुंच गई है।

दिल्ली की अदालत ने दवा कंपनी को मिलते-जुलते ट्रेडमार्क के उपयोग से रोका..

नई दिल्ली, (भाषा)।

दिल्ली की एक अदालत ने हैदराबाद की एक दवा कंपनी को 'उड़ान' या इससे मिलते-जुलते किसी भी ट्रेडमार्क का उपयोग करने से स्थायी रूप से रोक दिया है। अदालत ने फैसला सुनाया कि ऐसा करना आरएसपीएल हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसने पहले ही अपने ट्रेडमार्क 'उड़ान' का पंजीकरण कराया था।

जिला न्यायाधीश पंकज शर्मा ने 13 अगस्त के एकपक्षीय फैसले में कहा कि प्रतिवादी सैनस फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड ने 'स्रड्डड्डठ्ठ' ट्रेडमार्क का उपयोग इस तरह किया जो वादी (आरएसपीएल) के पंजीकृत ट्रेडमार्क 'स्रड्डठ्ठ' के ''समान और भ्रामक रूप से मिलता-जुलता'' था।

अदालत ने कहा कि 'घड़ी' डिटर्जेंट जैसे ब्रांड्स के लिए जानी जाने वाली आरएसपीएल हेल्थ के अनुसार, उसने 2007 में सेनेटरी नैपकिन के सामान और व्यवसाय के संबंध में 'स्रड्डठ्ठ' ट्रेडमार्क या लेबल अपनाया था और सैनस फार्मा के 'स्रड्डड्डठ्ठ' मार्क ने उक्त ट्रेडमार्क में उसके मालिकाना अधिकारों का उल्लंघन किया है।

आरएसपीएल ने कहा, ''प्रतिवादी (सैनस) न केवल खुदरा बिक्री कर रहा है, बल्कि विवादित ट्रेडमार्क वाले इन सामानों की आपूर्ति नयी दिल्ली के कई अन्य डीलरों, दुकानदारों, खुदरा विक्रेताओं को भी कर रहा है, जो दिल्ली के बाजारों जैसे संसद मार्ग, कनॉट प्लेस, बाराखंभा, चाणक्यपुरी, गोल मार्केट, बंगाली मार्केट आदि में अनजान उपभोक्ताओं को गुपचुप तरीके से इनकी बिक्री कर रहे हैं।''

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रतिवादी अदालत के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ, इसलिए वादी के दावे बिना किसी खंडन और चुनौती के निर्विवाद रहे।

अदालत ने कहा, ''वादी ने यह साबित कर दिया कि प्रतिवादी ने उक्त ट्रेडमार्क का उल्लंघन किया और धोखाधड़ी से मिलते-जुलते उत्पाद बेचने का भी अपराध किया है।

इसलिए, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वादी प्रतिवादी द्वारा भ्रामक रूप से मिलते-जुलते किसी अन्य मार्क के उपयोग पर स्थायी रोक का हकदार है।''

स्थायी रोक के अलावा, अदालत ने यह भी आदेश दिया कि जब्त किए गए सभी नकली उत्पाद और उल्लंघनकारी सामग्री - जिसमें पैकेजिंग, डाई और नकली मार्क वाले ब्लॉक शामिल हैं - को नष्ट करने के लिए आरएसपीएल हेल्थ को सौंप दिए जाएं।

धागे की कीमतों में उछाल से सूरत की बुनाई इकाइयों ने स्वैच्छिक रूप से दो दिन छुट्टी शुरू की

सूरत, (भाषा)।

पश्चिम एशिया संकट के बीच पॉलिएस्टर धागे की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से कपड़ा निर्माण की लागत बढ़ने और कारोबार लाभहीन होने के कारण सूरत की कपड़ा इकाइयों ने स्वैच्छिक रूप से उत्पादन घटाना शुरू कर दिया है। उद्योग प्रतिनिधियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

उद्योग प्रतिनिधियों ने रविवार को बताया कि कुछ इकाइयां सप्ताह में दो दिन तक छुट्टी रख रही हैं। फेडरेशन ऑफ गुजरात वीवर्स वेलफेयर एसोसिएशन (एफओजीडब्ल्यूए) के पूर्व उपाध्यक्ष और बमरौली वीवर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विष्णुभाई पटेल ने कहा कि शहर के बुनाई क्षेत्र की करीब 1.5 लाख पावरलूम इकाइयों ने उत्पादन में कटौती की है।

उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख कपड़ा केंद्रों में शामिल सूरत में सात से आठ लाख बुनाई इकाइयां हैं, जो आमतौर पर अलग-अलग पालियों में चौबीसों घंटे चलती हैं।

उद्योग प्रतिनिधियों के अनुसार, इस क्षेत्र में एक लाख से अधिक लोग काम करते हैं और उत्पादन में कटौती से 40,000-50,000 श्रमिक प्रभावित हो सकते हैं।

पटेल ने ' पीटीआई- भाषा' को बताया, ÷हाल के महीनों में धागे और अन्य कच्चे माल की कीमत में काफी वृद्धि हुई है। हमने ऊंचे दामों पर धागे खरीदे, लेकिन तैयार 'ग्रे फैब्रिक' (बिना रंगा हुआ कपड़ा) के लिए हमें उसके अनुरूप कीमत नहीं मिल रही है, क्योंकि व्यापारी भी इसे बाजार में ऊंचे दामों पर नहीं बेच पा रहे हैं।÷

उन्होंने कहा कि पॉलिएस्टर धागे की कीमत करीब 112 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 140 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, यानी इसमें करीब 25-30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे उत्पादन की लागत का पूरा गणित बिगड़ गया है।

पटेल ने कहा, ''हमारे 'ग्रे फैब्रिक' की लागत पहले करीब 16 रुपये प्रति मीटर थी। धागे की कीमत में इतनी वृद्धि के बाद इसकी कीमत करीब पांच रुपये बढ़नी चाहिए थी, लेकिन बाजार में केवल एक से 1.50 रुपये तक की वृद्धि ही स्वीकार की गई है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से उत्पादन लागत बढ़ने के बावजूद धागा निर्माताओं ने अपनी कीमतों में कच्चे माल की लागत में हुई वास्तविक वृद्धि से 20-25 प्रतिशत अधिक बढ़ोतरी की है।

उन्होंने कहा कि धागा निर्माताओं ने कीमतें बढ़ाने के लिए कोई गठजोड़ किया है या नहीं, यह जांच का विषय है, लेकिन धागे की कीमतों में वृद्धि कच्चे माल की लागत में हुई वृद्धि के मुकाबले काफी अधिक है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में बुनकर संगठनों ने तय किया कि कीमतें स्थिर होने तक धागे की खरीद और खपत कम करने के लिए उत्पादन घटाना ही एकमात्र रास्ता है।

पटेल ने कहा, ''किसी को इकाई बंद करने के लिए मजबूर नहीं किया जा रहा है। यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और प्रत्येक इकाई की स्थिति पर निर्भर करता है। कुछ इकाइयां सप्ताह में दो दिन छुट्टी रख रही हैं, जबकि कुछ ने एक पाली कम कर दी है। मैंने भी अपनी इकाई में एक पाली कम कर दी है।''

क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..

दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें..
मो. 9329033433

केंद्र ने राज्यों से पीएनजी का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा

नई दिल्ली, (भाषा)।

केंद्र सरकार ने घरों में पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) की पहुंच और इस्तेमाल बढ़ाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। ये अधिकारी गैस वितरण कंपनियों और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों के साथ समन्वय कर उन घरों को पाइप वाली रसोई गैस से जोड़ने में मदद करेंगे, जहां पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है।

पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने 21 अगस्त को राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे पत्र में कहा कि पीएनजी सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक सुविधाजनक ईंधन है। इसका इस्तेमाल बढ़ने से रसोई गैस सिलेंडर यानी एलपीजी की ढुलाई का बोझ कम होगा और शहरों में तैयार किए गए गैस वितरण ढांचे का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

मंत्रालय चाहता है कि इस मामले में जिला-स्तर पर हस्तक्षेप हो। मंत्रालय एक ऐसा नियामकीय ढांचा लागू करने वाला है जिसके तहत परिवार ऐसे इलाकों में एलपीजी और पीएनजी कनेक्शन दोनों एक साथ नहीं रख सकेंगे जहां पाइप वाली गैस उपलब्ध है।

सरकार का यह कदम ऐसे उठाया आया है जब इस साल पश्चिम एशिया में संकट के दौरान एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हुई थी। भारत अपनी घरेलू एलपीजी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है और पश्चिम एशिया से आने वाली आपूर्ति समुद्री मार्गों पर निर्भर रहती है। संकट के दौरान घरेलू एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता देनी पड़ी थी। इसके मुकाबले घरेलू पीएनजी आपूर्ति पर संकट का असर अपेक्षाकृत कम रहा। घरेलू पीएनजी क्षेत्र को घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस की प्राथमिकता वाली आपूर्ति मिलने के कारण यह संकट से बचा रहा।

सरकार अब उन क्षेत्रों में एलपीजी से पीएनजी की ओर तेजी से बदलाव करना चाहती है, जहां पाइप वाली गैस पहुंच चुकी है। पीएनजी को तेजी से बढ़ावा देने के लिए सरकार ने प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पाद वितरण (पाइपलाइन बिछाने, निर्माण, परिचालन और विस्तार तथा अन्य सुविधाओं) आदेश 2026 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा तीन के तहत एलपीजी नियंत्रण आदेश को अधिसूचित किया है।

नए अधिसूचित नियमों के तहत ऐसे इलाकों में घरों को एक साथ एलपीजी और पीएनजी कनेक्शन रखने की अनुमति नहीं होगी। नोटिस दिए जाने के बाद पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं करने वाले उपभोक्ताओं की एलपीजी आपूर्ति बंद की जा सकती है।

इसके लिए प्रत्येक भौगोलिक क्षेत्र में पीएनजी समन्वय समिति (पीसीसी) गठित की जाएगी। समिति आवासीय सोसायटी और पात्र घरों की पहचान करेगी, नोटिस जारी करेगी तथा उपभोक्ताओं के लिए जागरूकता और कनेक्शन शिविर आयोजित करेगी।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि पीसीसी व्यवस्था पहले से लागू है, लेकिन अब तक के अनुभव से पता चला है कि इसे समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए जिला प्रशासन का सहयोग जरूरी है।

जिला प्रशासन को रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और आवासीय समितियों से पाइपलाइन बिछाने के लिए रास्ता उपलब्ध कराने, एलपीजी वितरकों और गैस वितरण कंपनियों के बीच समन्वय कराने, उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान और पीएनजी अपनाने की निगरानी में मदद करनी होगी। मंत्रालय ने राज्यों से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को इस काम के लिए नामित करने को कहा है। प्रत्येक जिले में कम से कम जिला आपूर्ति अधिकारी स्तर के एक अधिकारी को पीसीसी से जोड़ा जाएगा।

सरकार का मानना है कि पीएनजी का विस्तार खाना पकाने के लिए एलपीजी पर निर्भरता घटाने के साथ-साथ भारत की ऊर्जा आपूर्ति को अंतरराष्ट्रीय संकट और समुद्री परिवहन में होने वाले व्यवधानों के प्रति अधिक जुझारू बनाएगा।

सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे इस मामले को प्राथमिकता से लें। सरकार ने राज्यों से स्पष्ट किया है कि वह समयबद्ध तरीके से पीएनजी की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुश्रुत वात क्लिनिक
डॉ. आकाश अनिल शेंडे
बी.ए.एम.एस. (नाशिक)
वात रोग तज्ञ
जनरल फिजिशियन
Regi L - 114791-A
कमर दर्द, सायटिका, आमवात, अस्थीवात, गठियावात, लकवा, नसों का दर्द (मोंदरा) एवं कमर गैप आदि वात रोगों का उपचार..
पता - भिलाई रोड, भारती लॉन के सामने, लांजी मो. 8637707202

जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सावन के अंतिम सोमवार में उमड़ेगी भक्तों की भीड़, बोल बम समिति का होगा विशाल भंडारा

दूर दूर से आते हैं, कावड़िए और भक्त..

जगप्रेरणा लांजी।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त 2026 के पावन अवसर पर आज कोटेश्वर धाम लांजी में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का भव्य संगम देखने को मिलेगा। हर वर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी बोल बम सेवा समिति लांजी द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर के समीप विशाल भंडारा महाप्रसाद का आयोजन प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। पूरे सावन माह के दौरान कोटेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही रही तथा विभिन्न सोमवारों पर बड़ी संख्या में कांवड़िए एवं शिवभक्त यहां पहुंचकर भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट करते रहे। अब श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर आयोजित होने वाले विशाल भंडारे को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

सेवा और श्रद्धा का बनेगा संगम..

बोल बम सेवा समिति लांजी द्वारा आयोजित यह भंडारा केवल प्रसाद वितरण का आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और सामाजिक एकता की भावना का प्रतीक है। समिति से जुड़े सदस्य आयोजन स्थल पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। दूर-दराज के गांवों और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है।

समिति के सदस्यों का कहना है कि भगवान शिव की भक्ति के साथ श्रद्धालुओं की सेवा करना भी एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सामाजिक दायित्व है। इसी भावना के साथ हर वर्ष श्रावण के अंतिम सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है।

श्रद्धालुओं से समिति की विशेष अपील..

बोल बम सेवा समिति लांजी ने क्षेत्र के समस्त शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे आज प्रातः 10 बजे परिवार सहित कोटेश्वर धाम पहुंचें, भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन एवं पूजन करें तथा विशाल भंडारा महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करें।

समिति ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि आयोजन को सफल बनाने में सभी अपना सहयोग प्रदान करें। श्रद्धालु धाम परिसर में स्वच्छता बनाए रखें, व्यवस्था में सहयोग करें तथा धार्मिक वातावरण की गरिमा को बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण करें।

सुबह से ही पहुंचेंगे शिवभक्त..

श्रावण के अंतिम सोमवार को लेकर कोटेश्वर धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू होने की संभावना है। मंदिर परिसर में भगवान शिव के जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालु पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारा महाप्रसाद में भक्त प्रसाद ग्रहण करेंगे। बोल बम सेवा समिति लांजी से अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, प्रमोद अग्रवाल, रमेश भटेरे, गिरीश अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, चंद्रकांत किरनापूरे, दीपक बंसल, मयूर सुले, दीपक अग्रवाल, संजय टेम्भरे, संदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, अंकित श्रीवास्तव, राकेश रणदिवे, आलोक चौरसिया, मनीष लालू अग्रवाल, ललित अग्रवाल, शरद आसटकर, बाबु उपाध्याय, जय श्रीवास्तव, अमित आसटकर, प्रकाश अग्रवाल, प्रकाश बेदरे, यश अग्रवाल, बोल बम सेवा समिति लांजी, टेडवा, अग्रवाल महिला मंडल, ने अपील करते हुए कहा कि ÷कोटेश्वर धाम सभी शिवभक्तों की आस्था का केंद्र है और भंडारा महाप्रसाद में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता ही आयोजन की सफलता है।÷ श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर होने वाले इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार सहित कोटेश्वर धाम पहुंचकर भगवान कोटेश्वर महादेव का आशीर्वाद लें और महाप्रसाद ग्रहण करें।

पॉली एकेडमी में 28 से संविधान मेला: संविधान पाठशाला एवं प्रतियोगिता का होगा आयोजन..

जगप्रेरणा लांजी।

भारतीय संविधान के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने, संविधान में निहित अधिकारों, कर्तव्यों एवं संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा, भारत, भारतीय बौद्ध महासभा लांजी एवं करुणागिरी समिति कलपाथरी के संयुक्त तत्वावधान में देश का 23 वां दो दिवसीय संविधान मेला आयोजित किया जा रहा है। मेला 28 एवं 29 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी, तहसील लांजी में आयोजित होगा।

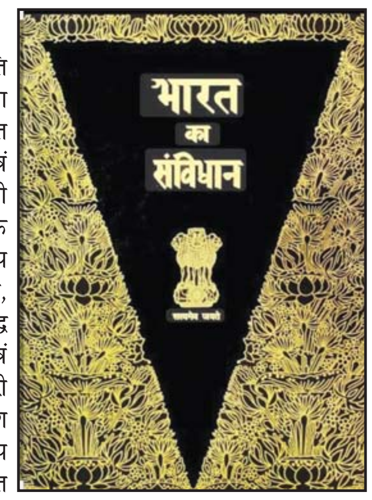

आयोजकों के अनुसार संविधान मेला पूरी तरह संवैधानिक जागरूकता एवं नागरिक शिक्षा पर केंद्रित रहेगा। इसका किसी राजनीतिक दल, धर्म या संप्रदाय से कोई सरोकार नहीं होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 28 अगस्त को सुबह 10 बजे किया जाएगा।

संविधान प्रदर्शनी में मिलेगी महत्वपूर्ण जानकारी

मेले में संविधान प्रदर्शनी के माध्यम से नागरिकों के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, संविधान के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों, निर्देशों एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं को सचित्र प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा संविधान के किसी विशिष्ट भाग, सिद्धांत या प्रावधान पर आधारित चित्र, फ्लैक्स एवं मॉडल प्रदर्शित करने की प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। चलित संविधान पाठशाला के माध्यम से संविधान की जानकारी दी जाएगी तथा सामूहिक रूप से संविधान का पाठ भी कराया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर के व्याख्यान होंगे आकर्षण..

दोनों दिन संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्रीय स्तर के व्याख्याताओं द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। पहले दिन '76 वर्षों से संवैधानिक अज्ञानता का दुष्परिणाम' तथा दूसरे दिन '76 वर्षों में संविधान प्रदत्त अधिकारों की पहचान एवं प्राप्तियों का आकलन तथा देश में संविधान पालन कराए जाने के प्रति कौन कितना जिम्मेदार?' विषय पर विशेष व्याख्यान होगा। इसके साथ ही नागरिकों के संविधान प्रदत्त संपूर्ण अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक तत्व, जनप्रतिनिधियों एवं शासकीय सेवकों द्वारा संविधान की शपथ लेने का आशय, संविधान के प्रति समुचित दृष्टिकोण तथा संविधान में समस्याओं के समाधान से जुड़े विषयों पर भी वक्ताओं द्वारा विचार रखे जाएंगे। महिलाओं, धार्मिक अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जनजातियों एवं अनुसूचित जातियों के संवैधानिक अधिकारों एवं विशेष प्रावधानों पर भी वक्तव्य होंगे।

निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं..

मेले के दौरान निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। 'संविधान में सभी समस्याओं का समाधान निहित है' विषय पर लगभग 200 शब्दों का निबंध 20 अगस्त तक संचालन समिति के समक्ष जमा करने की व्यवस्था रखी गई है।

मौके पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में 'संविधान के सम्मान में, मूल निवासी मैदान में', 'मूल निवासियों का हित संविधान के साथ सुरक्षित' एवं 'संविधान हमारी सबसे बड़ी ताकत है' जैसे विषयों पर प्रतिभागी लेखन करेंगे। इसके लिए लगभग 100 शब्दों में 20 मिनट में निबंध लिखना होगा तथा लेखन सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। छात्र-छात्राओं के लिए भाषण प्रतियोगिता में अनुच्छेद 13, अनुच्छेद 21-क में शिक्षा का अधिकार, अनुच्छेद 38, अनुच्छेद 340 तथा अनुच्छेद 16(4) जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधानों पर बोलने का अवसर मिलेगा। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में विषय लॉटरी के माध्यम से निर्धारित किए जाएंगे।

प्रश्नोत्तरी और संविधान ज्ञान परीक्षा..

प्रतिदिन प्रतिभागियों के लिए 30 मिनट की प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। इसके अलावा संविधान ज्ञान परीक्षा में ऑनलाइन 100 प्रश्न तथा मौके पर 20 मिनट में 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। संवैधानिक विषयों पर नाट्य प्रतियोगिता तथा संविधान गीत की प्रस्तुतियां भी मेले का हिस्सा रहेंगी।

आयोजकों ने अधिक से अधिक नागरिकों, विद्यार्थियों एवं संविधान समर्थकों से मेले में भाग लेने और संवैधानिक जागरूकता के इस अभियान को सफल बनाने की अपील संविधान प्रचारिणी सभा भारत, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी, करुणागिरी समिति कलपाथरी, शशि बौद्ध तहसील अध्यक्ष प्रज्ञा महिला मंडल लांजी, धर्मशिला मेश्राम नगर अध्यक्ष प्रज्ञा महिला मंडल लांजी, चन्द्रदीप रामटेके अध्यक्ष समता सैनिक दल लांजी, मनोज कुमार बारमाटे सर्कल अध्यक्ष साडरा, धीरज कुमार वाहने सर्कल अध्यक्ष नेवारवाही, संजीव वासनिक सर्कल अध्यक्ष बहेला, राहुल रामटेके सर्कल अध्यक्ष कारंजा, मोतीचरण खांडेकर, संदीप बोरकर, सुनील मेश्राम, गिरीश गोस्वामी, प्रेमलाल रामटेके, प्रेमदास बागड़े, एडवोकेट धनीराम बंजारे, सुनील भारद्वाज, पी.डी. भालाधरे, सी.एल. बोरकर, मनोहर चौरे, ईश्वर बंसोड, रितेश बंसोड एवं समस्त सदस्य, पदाधिकारी भारतीय बौद्ध महासभा तहसील लांजी ने की है।

समाज कार्य से जुड़कर युवा गांव की दशा व दिशा बदल सकते हैं - विधायक कर्राहे..

नेतृत्व क्षमता पाठ्यक्रम शुरू..

जगप्रेरणा लांजी।

शासकीय महाविद्यालय लांजी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के शुभारंभ सत्र का आयोजन विधायक

लांजी-किरनापुर राजकुमार कर्राहे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं, महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे एवं जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं सामाजिक नेतृत्व की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

ग्रामीण युवाओं को समाज कार्य से जोड़ने का बेहतर अवसर..

मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ उन्हें समाज कार्य से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अपने गांव की दशा और दिशा बदलने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भारत की जड़ों से जुड़ी राजनीति, अर्थनीति और समाजनीति ही देश के भाग्य को बदलने का सामर्थ्य रखती है। समाज में सकारात्मक बदलाव केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज की सक्रिय भागीदारी और युवाओं में स्वैच्छिकता एवं सामाजिकता की भावना जरूरी है।

विधायक ने कहा कि जन अभियान परिषद के माध्यम से बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी समाज के अंतिम छोर तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परिषद सरकार और समाज के बीच सेतु का कार्य कर रही है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिल रही है।

पर्यावरण संरक्षण और नशामुक्ति के लिए जनभागीदारी जरूरी..

जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे ने कहा कि जन अभियान परिषद स्वैच्छिकता की भावना के साथ पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता जैसे अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक सरोकारों से जुड़कर समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अतिथियों ने स्वैच्छिकता की सामूहिक शपथ लेकर समाजहित में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाता एवं नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेककर, अशोक घरते, विजय हटीले, ज्योति शंकरपुडे, नीलेश्वर ठाकरे सहित महाविद्यालय परिवार के सदस्य, पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सावन मास में साड़रा में भक्ति की बहार..

अखंड रामायण पाठ के साथ कांवड़ यात्रा का आयोजन..

जगप्रेरणा लांजी।

सावन माह के पावन अवसर पर ग्राम साड़रा स्थित शिव मंदिर चांदनी चौक में शिवभक्ति एवं धार्मिक आस्था से जुड़े दो दिवसीय कार्यक्रमों का

आयोजन किया जा रहा है। आयोजन के तहत रविवार 23 अगस्त को अखंड रामायण पाठ तथा सोमवार 24 अगस्त को भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं शिवभक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

शिव मंदिर चांदनी चौक, साड़रा में रविवार 23 अगस्त को सुबह 10 बजे से अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे भगवान श्रीराम की आराधना एवं रामायण पाठ में सहभागी बनें। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा वहीं धार्मिक आयोजन के दूसरे दिन आज सोमवार 24 अगस्त को सुबह 8 बजे शिव मंदिर चांदनी चौक, साड़रा से कांवड़ यात्रा प्रारंभ होगी। कांवड़ यात्रा में क्षेत्र के श्रद्धालु एवं शिवभक्त शामिल होकर देवलगांव स्थित बाघ नदी के त्रिवेणी संगम पहुंचेंगे। यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पवित्र जल कांवड़ में भरा जाएगा। इसके बाद कांवड़िए पैदल यात्रा करते हुए पुनः शिव मंदिर चांदनी चौक साड़रा पहुंचेंगे।मंदिर पहुंचने के बाद कांवड़ियों द्वारा भगवान शिव के शिवलिंग पर पवित्र जल अर्पित कर जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयघोष से वातावरण शिवमय होने की उम्मीद है।

सावन माह में भगवान शिव को पवित्र जल अर्पित करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। इसी आस्था के चलते क्षेत्र के शिवभक्त कांवड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे तथा क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना करेंगे।

देवलगांव त्रिवेणी संगम से निकलेगी कांवड़ यात्रा, कोटेश्वर महादेव का होगा जलाभिषेक..

लांजी। सावन माह के पावन अवसर पर क्षेत्र में शिवभक्ति का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में देवलगांव स्थित बाघ नदी के त्रिवेणी संगम से कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। कांवड़िये दोमुहंन घाट त्रिवेणी संगम से पवित्र जल लेकर 24 अगस्त को प्रातः बेला मे पैदल यात्रा करते हुए कोटेश्वर धाम पहुंचेंगे, जहां विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा में ग्राम के बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं शिवभक्त शामिल होंगे। त्रिवेणी संगम पर पूजा-अर्चना के बाद कांवड़ में पवित्र जल भरकर शिवभक्त बोल बम एवं हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कोटेश्वर धाम के लिए रवाना होंगे। कोटेश्वर धाम पहुंचने के पश्चात कोटेश्वर महादेव का पवित्र जल से मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया जाएगा. आयोजन समिति ने बड़ी संख्या मे ग्रामीणों को उक्त कांवड़ यात्रा मे शामिल होने की अपील की है।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हेमंत नायक
मो. 88273 19933

10 सोमवार 24 अगस्त 2026
जग प्रेरणा live मंडला नैनपुर
● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

कीचड़ में कैद गांव, पंचायत मौन! आखिर कब जागेंगी सरपंच भागीरथी गोंड?

माखा टोला-पचलू टोला की सड़कें बनीं दलदल, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा..

जगप्रेरणा नैनपुर (मंडला)।
ग्राम पंचायत गौराछापर के माखा टोला और पचलू टोला में पहली ही बारिश ने विकास के दावों की हकीकत सामने ला दी है। गांव की सड़कें कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गई हैं। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामों के लिए घरों से निकलना भी मुश्किल हो रहा है। स्कूली बच्चों, किसानों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रशासन और सरपंच भागीरथी गोंड की ओर से सड़क की समस्या के स्थायी समाधान के लिए समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। जगह-जगह जलभराव और फिसलन के कारण दोपहिया वाहन भी फंस रहे हैं। बारिश के दौरान आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है।

जनता दलदल में, जिम्मेदार आराम में..

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात शुरू होने से पहले सड़क पर मुरम, गिट्टी और आवश्यक टॉप मरम्मत का कार्य करा दिया जाता तो वर्तमान स्थिति से बचा जा सकता था। ग्रामीणों ने पंचायत स्तर पर पूर्व में कराए गए सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता और खर्च को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों पर सबसे ज्यादा असर..

सड़क की बदहाली का सीधा असर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। किसानों को खेतों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। वहीं, किसी मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाने की स्थिति में ग्रामीणों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है।

जांच और कार्रवाई की मांग..

ग्रामीणों ने कलेक्टर मंडला, जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायत नैनपुर सहित संबंधित अधिकारियों से माखा टोला और पचलू टोला की सड़कों का तत्काल निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही पंचायत क्षेत्र में पूर्व में हुए सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की जांच कर गुणवत्ता और खर्च की वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क पर तत्काल मुरम एवं गिट्टी डलवाकर टॉप मरम्मत कराई जाए, ताकि बारिश के दौरान आवागमन सुचारु हो सके।

अब आश्वासन नहीं, सड़क पर काम चाहिए..

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से समस्या झेलने के बाद अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। यदि जल्द सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया तो ग्रामीण सामूहिक शिकायत और जनआंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

सबसे बड़ा सवाल

जब बारिश के बीच ग्रामीण कीचड़ और दलदल से होकर गुजरने को मजबूर हैं, तो पंचायत और संबंधित विभाग आखिर कब जागेंगे? क्या प्रशासन मौके का निरीक्षण कर समस्या का स्थायी समाधान करेगा या ग्रामीणों को हर बरसात में इसी परेशानी से जूझना पड़ेगा?

ग्रामीणों की मांग स्पष्ट है 'हमें भाषण नहीं, चलने लायक सड़क चाहिए।'

बिना पंजीयन चल रही डेयरी सील, मिठाई और पनीर के सैंपल लिए

जगप्रेरणा नैनपुर।
आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने खाद्य सुरक्षा विभाग ने नैनपुर में विशेष जांच अभियान चलाया।

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देश पर नायब तहसीलदार एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी की संयुक्त टीम ने दूध डेयरियों, मिठाई दुकानों और होटल का औचक निरीक्षण किया। अभियान के दौरान वार्ड क्रमांक 15 स्थित अनन्या दूध डेयरी बिना खाद्य पंजीयन के संचालित मिली।

टीम ने मौके से भैंस के मिश्रित दूध का नमूना जांच के लिए लिया। बिना पंजीयन खाद्य कारोबार संचालित किए जाने पर डेयरी को आवश्यक पंजीयन प्राप्त होने तक सील कर दिया गया। इसी तरह ग्रीन सिटी के सामने स्थित अनन्या दूध डेयरी से पनीर का नमूना लिया गया। यहां दूध से मिठाई और पनीर का निर्माण किया जा रहा था।

वहीं मेन रोड स्थित अग्रवाल स्वीट्स से गुलाब जामुन और पनीर, जबकि प्रेम होटल से रबड़ी का नमूना जांच के लिए लिया गया। प्रेम होटल के किचन में स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लिए गए सभी नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

TYRE WORLD
(अपोलो टायर्स के अधिकृत विक्रेता)
★ टायर ★ अलाईनमेन्ट
★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन
हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया
79991 54494, 98233 95921

अतिथि शिक्षकों ने 12 माह के कार्यकाल और 12 माह के मानदेय की मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जगप्रेरणा मंडला।
अतिथि शिक्षक संघ मंडला के पदाधिकारियों एवं अतिथि शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से अतिथि शिक्षकों ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों के लिए 12 माह का कार्यकाल एवं 12 माह का वेतन दिए जाने संबंधी घोषणा को पूरा करने की मांग रखी।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अतिथि शिक्षक लंबे समय से शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें वर्ष के सभी 12 माह रोजगार एवं मानदेय का लाभ नहीं मिल पाता। इससे अतिथि शिक्षकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ज्ञापन में मांग की गई कि पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा अतिथि शिक्षकों के हित में कही गई 12 माह के कार्यकाल एवं 12 माह के वेतन की बात को अमल में लाते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि अतिथि शिक्षकों को पूरे वर्ष रोजगार और मानदेय की सुविधा मिल सके।

ज्ञापन सौंपने के दौरान अतिथि शिक्षक संघ मंडला के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक साथी मौजूद रहे। इनमें नागेश सर, रामविश्वास पटेल, सूरज ठाकुर, मीनाक्षी दुबे सहित अन्य अतिथि शिक्षक शामिल रहे। संघ ने शासन-प्रशासन से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई।

मौनी घाट से नख्खी माई मंदिर तक निकली भव्य कांवड़ यात्रा..

हजारों श्रद्धालु हुए शामिल..

जगप्रेरणा मंडला।
श्रावण मास 2026 के पावन अवसर पर रविवार को मौनी घाट बबैहा से नख्खी माई मंदिर बकौरी तक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया।

इस धार्मिक यात्रा में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कांवड़ यात्रा का शुभारंभ मौनी घाट से हुआ, जो बबैहा, ग्वारी, फूलसागर, बम्होरी, बर्राटोला सागर, ग्राम सागर, कॉलोनी बकौरी एवं ग्राम बकौरी होते हुए लगभग 13 किलोमीटर की पदयात्रा के बाद नख्खी माई मंदिर परिसर में संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु बोल बम, हर-हर महादेव, जय श्री राम और बम-बम भोले के जयघोष से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में सराबोर करते रहे।

इस अवसर पर मंडला शहर सहित बबैहा, जुझारी, बक्छेरागोंदी, ग्वारी, फूलसागर, बम्होरी, सागर, बकौरी, उमरिया, लावर, खैरी, कोसमडोंगरी, तिंदनी, पटपर और सिंगारपुर समेत आसपास के अनेक गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु, मातृशक्ति, युवा, बुजुर्ग एवं बच्चे शामिल हुए। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीणजनों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग में भक्ति एवं अनुशासन का परिचय देते हुए यात्रा को सफल बनाया।

आयोजन समिति ने कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले समस्त क्षेत्रवासियों, धर्मप्रेमियों, स्वयंसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में नख्खी माई मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई।

पिपरिया साप्ताहिक बाजार में महिला ने उड़ाया 15 लीटर तेल का डिब्बा..

सीसीटीवी में कैद हुई चोरी..

जगप्रेरणा मंडला।
जिले के निवास थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरिया बस स्टैंड स्थित साप्ताहिक बाजार में चोरी की एक घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में एक महिला किराना दुकान से 15 लीटर तेल का डिब्बा चोरी करते हुए दिखाई दे रही है। घटना शनिवार की बताई जा रही है, जबकि इसका वीडियो रविवार को सामने आया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरिया बस स्टैंड स्थित सीताराम साहू की किराना दुकान पर साप्ताहिक बाजार के चलते ग्राहकों की काफी भीड़ थी। इसी दौरान दुकानदार अन्य ग्राहकों को सामान देने में व्यस्त था। भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला दुकान के बाहर रखे 15 लीटर तेल के डिब्बे को उठाकर अपने साथ लाए बड़े झोले की आड़ में छिपा ले गई।

सीसीटीवी फुटेज में महिला को बड़ी चालाकी से तेल का डिब्बा झोले में छिपाते हुए और फिर बिना किसी संदेह के दुकान से निकलते हुए देखा जा सकता है। घटना के बाद जब दुकानदार ने सामान का मिलान किया तो तेल का डिब्बा गायब मिला। जांच करने पर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात रिकॉर्ड मिली।

फुटेज सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिला की पहचान कर उसकी तलाश में जुटी हुई है। यह पूरा मामला निवास थाना क्षेत्र के पिपरिया बस स्टैंड का बताया जा रहा है।

पीएम आवास योजना के नाम पर साइबर ठगी का जाल..

ग्रामीणों को भेजी जा रही फर्जी एपीके..

व्हाट्सएप पर मैसेज भेजकर 2,500 रू. की मांग, लिंक खोलने और एप इंस्टॉल करने से खाते की जानकारी चोरी होने का खतरा..

जगप्रेरणा मंडला।
प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों के मोबाइल पर व्हाट्सएप के जरिए फर्जी मैसेज भेजे जा रहे हैं। ठग दावा कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना की नई सूची जारी हो गई है और पात्र हितग्राहियों को ढाई लाख रुपए तक की राशि मिलेगी। इसके लिए लोगों को एक संदिग्ध **APK** फाइल डाउनलोड कर मोबाइल में इंस्टॉल करने के लिए कहा जा रहा है। मैसेज के साथ योजना से जुड़ी भ्रामक तस्वीर भी भेजी जा रही है। इसके बाद ठग कथित तौर पर प्रक्रिया पूरी करने या राशि जारी कराने के नाम पर लोगों से 2,500रू. तक ऑनलाइन भुगतान करने के लिए कह रहे हैं। ऐसे एप मोबाइल में इंस्टॉल करने से निजी जानकारी, बैंकिंग डाटा और अन्य संवेदनशील जानकारी के दुरुपयोग का खतरा बढ़ सकता है।

फर्जी एप से रहें सावधान..

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं कि अनजान नंबरों से आने वाली**APK** फाइल या संदिग्ध लिंक को डाउनलोड कर इंस्टॉल नहीं करना चाहिए। सरकारी योजना के नाम पर आने वाले किसी भी संदेश की सत्यता की जांच किए बिना भुगतान करना या व्यक्तिगत एवं बैंक संबंधी जानकारी साझा करना भारी पड़ सकता है।

सरकारी पोर्टल से ही करें पुष्टि..

प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की गई है कि प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित जानकारी केवल अधिकृत सरकारी माध्यमों और संबंधित विभाग से ही प्राप्त करें। व्हाट्सएप पर आने वाले अनजान लिंक, **APK** फाइल, **QR** कोड या भुगतान संबंधी संदेशों पर भरोसा न करें। किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित पुलिस अथवा साइबर अपराध शाखा को सूचना दें।

आंगनवाड़ी केंद्र में महिलाओं को शासकीय योजनाओं की दी जानकारी

जगप्रेरणा मंडला।
आंगनवाड़ी केंद्र पंचायत टोला-2, बिछिया में वन स्टॉप सेंटर द्वारा हब की मासिक गतिविधियों के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, महिला श्रमिकों के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना तथा मनरेगा योजना के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली छह प्रकार की सहायता के संबंध में जानकारी दी।

महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पैरालीगल वालेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निराश्रित बच्चों के लिए संचालित सारथी चैंपियन, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के तहत संचालित आशा योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को अपने अधिकारों, सरकारी योजनाओं और उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..
बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विधायक विजय राहंगडाले के जन्मदिवस पर तिरोड़ा में भव्य विजय रन मैराथन स्पर्धा का आयोजन..

स्पोर्ट्स एंड हेल्पिंग ग्रुप व भाजयुमो द्वारा किया गया आयोजन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

तिरोड़ा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक विजयभाऊ रहांगडाले के जन्मदिन एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स एंड हेल्पिंग ग्रुप व भारतीय जनता युवा मोर्चा के

तत्वाधान में जिला स्तरीय भव्य 'विजय रन' मैराथन स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है।

यह मैराथन 28 अगस्त 2026 दिन शुक्रवार को सुबह 5:30 बजे जिला परिषद उत्तर बुनियादी शाला, तिरोड़ा, जिला गोंदिया में आयोजित की गई है। स्पर्धा में 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के लड़के एवं लड़कियों के लिए अलग अलग 4 किलोमीटर तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पुरुष एवं महिलाओं के लिए 5 किलोमीटर दौड़ रखी गई है। जिसमें सभी आयु वर्गों में अलग अलग प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा 4 से 10 क्रमांक तक आने वाले सभी प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे। इस मैराथन दौड़ में कुल एक लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार प्रदान किये जाएंग।

इस मैराथन दौड़ को सफल बनाने के लिये भारतीय जनपता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल एवं तिरोड़ा नगर परिषद के अध्यक्ष अशोक असाटी ने अधिक से अधिक संख्या में युवाओं एवं नागरिकों से मैराथन स्पर्धा में भाग लेकर स्वास्थ्य, खेल और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने तथा स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब है कि इस मैराथन दौड़ के अवसर पर जिला अध्यक्ष, भा.ज.यु.मो. गोंदिया रोहित अग्रवाल एवं नगराध्यक्ष, नगर परिषद तिरोड़ा अशोक असाटी सहित आयोजक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

शक्कर के दाम में कड़वाहटः त्योहारों से पहले बढ़ी कीमतें, फीकी पड़ सकती है 'मिठास'..

महीने भर में करीब 60से 70 फीसदी तक उछले दाम..

खुदरा बाजार में चीनी 75रू.के पार..

ऐन त्यौहारों पर शक्कर के दामों में उछाल से मिठाई व्यापारी से लेकर गृहणी का बजट पर मार..

जगप्रेरणा गणेश भदाडे आमगांव।

देश में आगामी त्योहारों का सीजन शुरू होने से ठीक पहले शक्कर (चीनी) की कीमतों में आई भारी तेजी ने आम आदमी की चिंता बढ़ा दी है. पिछले एक महीने के भीतर

खुदरा बाजार में शक्कर के दाम करीब 60 से 70 फीसदी तक उछल चुके हैं, जिससे देश के औसत खुदरा बाजार में इसकी कीमत75 रू. प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई है. आगे रक्षाबंधन, जन्मष्टमी, पोला, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों से पहले शक्कर का यह कड़ा रुख आम उपभोक्ताओं और हलवाइयों (मिठाई निर्माताओं) के बजट का गणित बिगाड़ रहा है। शहर के मुख्य थोक बाजार (मंडी) और खुदरा किराना दुकान पर शक्कर का भाव पिछले लगभग जुलाई महीने 40रू. थी अब अगस्त महीने में आज 75 रू.के पर बताया जा रहा है सूत्रों की माने तो एथेनॉल में जो गन्ने की खपत है जिसके चलते शक्कर के भाव आसमान छू रहे है आमतौर पर शक्कर यह रोजाना ही सुबह से शाम तक घरों पर उपयोग मे आनेवाली वस्तु है घरो मे मेजवान आये या फिर मित्र घरों पर चाय काफी एवं अन्य पेय पदार्थ सहित मिठाई मे शक्कर का प्रयोग रोजना ही किया जाता है ऐसे में शक्कर के आसमान छूते किमते घरो रोजना आनेवाले रिश्तेदार मित्रों के स्वागत मे चाय से लेकर अन्य पेयजल पिलाने के साथ मिठाई से रिश्तों में मिठास घोलने मे बाधा बन रहें हैं।

बोले मिठाई विक्रेता तेजसिंह राजपुरोहित..

'त्योहारों पर मावा, ड्राई फरूट्स के साथ शक्कर की खपत सबसे ज्यादा होती है। कच्चा माल महंगा होने से हमारे पास मिठाइयों के दाम बढ़ाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा किमते बढी तो हमारे व्यवसाय पर असर होगा'।

बोली गृहणी श्रीमती गीता अजय सिंह नागवंशी..

'रोजना आनेवाले मित्र पहचान वाले त्योहारों पर मेहमानों का आना-जाना लगा रहता है। चाय से लेकर पकवानों तक में चीनी मुख्य है। ऐसे मे चीनी की आसमान छूती किमते हमारे रसोई का बजट पहले से ही टाइट हैं, अब शक्कर की मार ने जेब और ढीली कर दी है।'

मंदबुद्धि विद्यालय में उपहार देकर सुमेध कचरे ने मनाया जन्मदिन..

पंचायत समिति देवरी के इंजीनियर सुमेध कचरे का सामाजिक सरोकार..

जगप्रेरणा देवरी।

पंचायत समिति देवरी के इंजीनियर सुमेध कचरे ने अपना जन्मदिन फिजूलखर्ची न करते हुए सामाजिक सरोकार के साथ एक अलग और सराहनीय तरीके से मनाने की मिसाल पेश की है।

उन्होंने अपने स्वर्गीय पिता स्व. तातेराव कचरे की स्मृति में 23 अगस्त को स्थानीय 'उत्थान मंदबुद्धि विद्यालय' के बच्चों के साथ अपना जन्मदिन बेहद उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया।

इंजीनियर सुमेध कचरे हर साल अपने जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इस वर्ष उन्होंने उत्थान मंदबुद्धि विद्यालय के मासूम और विशेष बच्चों को दोनों समय का स्वादिष्ट भोजन कराया। इसके अलावा, विद्यालय के बच्चों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने स्कूल को एक गैस गीज़र भी उपहार स्वरूप प्रदान किया। कचरे के इस प्रयास से विशेष बच्चों के चेहरों पर एक अलग ही खुशी और प्यारी मुस्कान देखने को मिली।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उत्थान मंदबुद्धि विद्यालय की प्रधानाचार्या धनश्री तिवलकर, सामाजिक कार्यकर्ता विलास शिंदे, अमित तरजुले, शार्दुल मेश्राम, लॉरैब शेख, ऋषभ जैन, वाजीद मेमन, मुजीब मेमन और विजय पांडे सहित स्कूल के सभी शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। कचरे द्वारा दिखाई गई इस सामाजिक संवेदनशीलता और पहल की सभी वर्गों में जमकर सराहना हो रही है। उपस्थित लोगों ने यह भावना व्यक्त की कि ऐसे कार्यों से समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी।

कांग्रेस ने स्व. राजीव जी गांधी की मनायी जयंती..

जगप्रेरणा आमगांव।

आमगांव तालुका एवं शहर कांग्रेस के सयुक्त तत्त्वावधान मे विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी के जनक भारत के पुर्व प्रधानमंत्री स्व, राजीव जी गांधीं की जयंती गडचिरोली/ चिमुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद डॉ, नामदेव किरसान के प्रगती नगर स्थित जनसंपर्क

कार्यालय मे जिला कांग्रेस के महासचिव - रामसिंह चौहान की अध्यक्षता मे एवं जिला कांग्रेस के सचिव - इसुलाल भालेकर, तालुका कांग्रेस के अध्यक्ष संजय बहेकार, प्रदेश प्रतिनिधी - संपतलाल सोनी के प्रमुख अतिथ्य मे मनायी गयी।

जयंती कार्यक्रम में पधारे सभी कांग्रेसी नेता कार्यकर्ताओं ने सर्वप्रथम राजीवजी गाँधी के तैल्यचित्र को माल्यार्पण कर अभिवादन किया।

इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बहेकार, जिला कांग्रेस परिवहन विभाग के अध्यक्ष बाबा मिश्रा, पर्यावरण विभाग के जिला उपाध्यक्ष अभय ढेंगे, जिला महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष सौ, प्रभादेवी उपराड़े, सौ, त्रिवेणी टेंभरे, तालुका कांग्रेस अनुसूचित जाती के अध्यक्ष पिंकेश शेंडे, तालुका अल्पसंख्याक विभाग के अध्यक्ष मुकिम शेख, तालुका आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष उमाकांत उईके, राजसिंह परिहार रवी रहांगडाले, बंडु महारवाडे, राधाकिशन चुटे, योगेश कोरे, रंजित पटले, कुणाल शेंडे,राहुल चुटे, किशोर बिसेन, विरेंद्र डोंगरे, आदि कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

तु ज्यादा गरम दे रहा है क्या बोलकर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/8/2026 के 10 बजे के दरम्यान चांदणी चौक गोंदिया मे फर्यादी अभिषेक सुभाष राऊत उम्र 23 वर्ष निवासी फुलचुर पेठ खडा था। वहा तीनो आरोपी मोटरसायकल से आये और कहा तु बहोत गरम दे रहा है, बोलकर गाली गलोच की फर्यादी ने कहा गाली क्यो दे रहा है तो आरोपीयो ने लाथ घुसे और सलाख से सर पर मारकर जख्मी करने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे अपराध क्रमांक 674/2026 धारा 118,1,352,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा योगेश बिसेन 1490 पोस्टे गोंदिया कर रहे है।

पहाडी मलमा चोर टिप्पर सहीत गिरफ्तार मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/8/2026 के 10 बजे के दरम्यान गोरठा मे आरोपी नौशाद अली मजहर अली उम्र 40 वर्ष निवासी साखरीटोला ने अपने टिप्पर मे पहाडी मलमा भरकर जा रहा था। फर्यादी ने रोककर पुछा तो आरोपी के पास पास परमीशन नही थी, मलमा चोरी कर ले जाते समय पकडाने से टिप्पर और मलमा कुल 6 लाख 2 हजार रुपये का माल जप्त कर दिये बयान पर पोस्टे आमगांव मे अपराध क्रमांक 558/2026 धारा 303,2, बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा गजपुरे 02 पोस्टे आमगाव कर रहे है।

प्रतिबंधित तंबाखु जप्त मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत प्रतिबंधित तंबाखु लाने का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 21/8/2026 के रात 11 बजे के दरम्यान तिरोडा मे आरोपी ने अपने वाहन मे महाराष्ट्र सरकार ने प्रतिबंधित की हुई तंबाखु फराज गोल्ड जाफरानी ब्रांड 50 नग किमत 25 हजार रुपये, स्केनटेड तंबाखु 22 नग किमत 9,900 हजार रुपये, एक सिल्वर रंग की वेराना फोर विलर किमत 5 लाख रुपये, कुल 5 लाख 34 हजार 900 रुपये का माल जप्त कर फर्यादी की शिकायत पर पोस्टे तिरोडा मे अपराध क्रमांक 802/2026 धारा 123,274,275, भारतीय न्याय संहिता सहकलम 26,2, आय, कलम 26,2, आय वी, सहवाचन कलम 27,3, डी, धारा 27,3, ई,30,2, ए,3, झेड झेड वी, शिक्षा कलम 59, अन्न सुरक्षा मानदे कानून 2026 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच सपोनी संजय कवडे पोस्टे तिरोडा कर रहे है।

गुटका थुकते समय ट्रक से गिरे युवक की उपचार के दौरान मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 20/ 8/ 2026 के 2 बजे के दरम्यान सावंगी मे हसमुख भाई जिवाभाई रोहीत उम्र 49 साल निवासी बोरसद यह अशोक लेलेन्ड कंटेनर मे क्लिनर था गाडी से जाते समय वह सावंगी मे खर्रा थुकने के लिये गेट खोलकर थुकते समय रोड पर गिरा। गंभीर चोट लगने से उसे उपचार के लिये अस्पताल ले गये जहा उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे डुग्गीपार मे अकस्मात मौत क्रमांक 37/2026 धारा 194, भानासुस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा खोटेले 1408 पोस्टे डुग्गीपार कर रहे है।

युवाओं के भविष्य संवारने के लिए संघर्ष करने वाला वर्दीधारी गुरु हमेशा के लिए चला गया..

जगप्रेरणा प्रा.गणेश भदाडे/प्रा.राकेश रोकडे सालेकसा/आमगांव।

ऐसा कहते है मौत से कब कसकी रिश्तेदारी होती है आज तेरी तो कल मेरी बारी होती है पर अचानक उसकी जाने की उम्र होने से पहले

ही चले जाये तो उसका जाना हर किसको दर्द एवं पीड़ादायक होता है ऐसी ही पीड़ा दर्द पुलिस जवान ने न केवल अपने परिजन पैतृक गांव के लोग अपने मित्रों सहित अपने कर्तव्य स्थल के सैकड़ों छात्र छात्रा एवं नागरिक को देकर चले गये अतिदुर्गम एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवक-युवतियों को मुख्यधारा से जोड़कर उनका बेहतर करियर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत सालेकसा पुलिस थाने के पुलिस सिपाही जितेंद्र पगरवार का ड्यूटी के दौरान हृदयाघात से निधन हो गया।

महज 40 वर्ष की आयु में इस वर्दीधारी गुरु के असमय निधन से पूरे तहसील में शोक की लहर फैल गई है। पिछले 16 वर्षों से पुलिस विभाग में सेवा दे रहे जितेंद्र पगरवार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के हर आदेश का सम्मान करते हुए पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। वे किसी भी समय और किसी भी स्थान पर ड्यूटी के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। कर्तव्य पालन के दौरान उन्होंने कभी दिन-रात की परवाह नहीं की। सालेकसा तहसील में नक्सल विरोधी अभियानों में भी उन्होंने निरंतर अपनी सेवाएं दीं।

पिछले तीन वर्षों से वे सालेकसा पुलिस थाने के गोपनीय विभाग में कार्यरत थे। इसके साथ ही पिछले दो वर्षों से तहसील के युवक-युवतियों को पुलिस भर्ती पूर्व प्रशिक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा करियर मार्गदर्शन देने का महत्वपूर्ण कार्य भी कर रहे थे। प्रतिदिन सुबह युवाओं को मैदान में ले जाकर उनकी शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए वे स्वयं कड़ी मेहनत करते थे। शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों को बौद्धिक मार्गदर्शन भी देते थे। इसी कारण अनेक युवक-युवतियों के लिए वे सच्चे अर्थों में वर्दीधारी गुरु बन गए थे।

गोंदिया जिले के एक छोटे किसान परिवार में जन्मे जितेंद्र छगनलाल पगरवार की प्रारंभिक इच्छा चिकित्सा क्षेत्र में सेवा देने की थी। लेकिन बढ़ती पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण उन्होंने पुलिस भर्ती में अपना भाग्य आजमाया और पुलिस सिपाही के रूप में नौकरी स्वीकार की। घर में गंभीर बीमारी से पीड़ित मां, अस्वस्थ पिता, पत्नी और दो छोटे बच्चों की जिम्मेदारी होने के बावजूद उन्होंने समाजसेवा का रास्ता नहीं छोड़ा। अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए भी वे तहसील के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को पुलिस भर्ती पूर्व प्रशिक्षण और करियर मार्गदर्शन देकर अधिक से अधिक युवाओं को शासकीय नौकरी दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उनकी इच्छा थी कि युवाओं की आर्थिक स्थिति सुधरे और उनमें देशभक्ति की भावना और अधिक मजबूत हो। इसके लिए वे लगातार संघर्ष करते रहे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

महज 40 वर्ष की आयु में उनके असमय निधन से दो छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया और पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनके प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे युवक-युवतियों को भी अपने मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत के चले जाने का गहरा दुख है। अपने प्रिय विद्यार्थियों, सहकर्मियों और परिवारजनों को गहरा सदमा देकर युवाओं के लिए दिन-रात संघर्ष करने वाला वर्दीधारी गुरु हमेशा के लिए चला गया।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
- टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET)
- इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI)
- (IUI) आय.यू.आय.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओव्हम डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोस की जांच
- हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज
- दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

गुदमा प्रतापबाग नई रेलवे लाईन के लिये करोड़ों की भूमि का कौड़ियों में अधिग्रहण..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय रेल विभाग द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अंतर्गत रेल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन भूमि अधिग्रहण के मामलों में जिस तरह की प्रक्रिया लागू कर दी गई है, उसके परिणामस्वरुप अधिग्रहण की जद में आने वाला किसान और अन्य भूमि मालिक खुद को ठगा सा महसुस करने लगा है, और ऐसा ही कुछ आज 23 अगस्त को ग्राम पंचायत कटंगीकला में स्थानीय नेता अखिलेश सेठ की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में किसानों की वेदना के रुप में सामने आया।

स्थानीय नेता अखिलेश सेठ की उपस्थिति में किसानों ने किया आक्रोश व्यक्त..

किसानों के साथ अन्याय नही होने देंगे बोले अखिलेश सेठ, किसानों की बैठक में तैयार किया मांग पत्र.. दी आंदोलन की चेतावनी..

गौरतलब है कि रेल विकास के तहत मालगाड़ियों के बाईपास आवागमन के लिये नई रेल लाईनें बिछाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत आमगांव गुदमा से बिना गोंदिया आए प्रतापबाग मार्ग से होकर गाड़ियां जबलपुर मार्ग पर रवाना की जाएंगी। इस प्रयोजन के तहत रेल विभाग द्वारा गुदमा से प्रतापबाग मार्ग पर नागरा एवं कटंगी ग्राम के अनेक ग्रामों में भूमि अधिग्रहण किये जाने के संदर्भ में भूमालिक किसानों को नोटिस भेजे गए हैं, जिसमें रेल विभाग द्वारा किस किसान की कितनी भूमि का अधिग्रहण किया जायेगा, तथा उस भूमि के अधिग्रहण के फलस्वरुप कितनी राशि किसान को मुआवजे के रुप में दी जायेगी, इसका उल्लेख किया गया है।

नोटिस मिलने के बाद किसानों ने जब अधिग्रहण की मुआवजा राशि देखी, तो करोड़ों की भूमि के कौड़ियों के दाम मिलने की स्थिति देखकर उनके अंदर आक्रोश व्याप्त हो गया है। से सभी किसान जिनकी भूमि अधिग्रहण की जद में है, सभी किसानों ने आक्रोशित होकर अपनी परेशानी से क्षेत्र के जुझारु नेता अखिलेश सेठ को अगवत कराया, जिसके बाद सभी किसानों के आग्रह पर अखिलेश सेठ ने एक बैठक किसानों की बात समझने के लिये ग्राम पंचायत कटंगीकला के सभाभवन में बुलाई।

आज 23 अगस्त को आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में भूमालिक किसान एकजुट हुए, और सभी ने करोड़ों के बाजार मूल्य को नकारकर कौड़ियों के भाव मुआवजा राशि में दिये जाने की बात कही, तथा इस भूमि अधिग्रहण के खिलाफ उग्र आंदोलन की बात भी कही।

बैठक में किसानों ने तय की मांगे..

आयोजित बैठक में किसानों ने स्पष्ट कहा कि इतनी कम मुआवजा राशि में हम अपनी जमीन हरगिज नहीं देंगे। अगर रेलवे विभाग को हमारी जमीन चाहिए तो हमारी शर्तें पूरी करना ही होगा। किसानों ने जो मांगे तय की 1) जिनकी भी जमीन, मकान, प्लॉट, दुकान, अधिग्रहण किया जा रहा है उनको शासकीय नौकरी प्रदान की जाए। 2) अधिग्रहित भूमि का मूल्य बाजार भाव से 5 गुना ज्यादा दिया जाना चाहिए। 3) जिन भू धारकों की आधी जमीन अधिग्रहण की जा रही है उनकी बाकी बची हुई जमीन कोई काम की नहीं रहेगी, तो इस स्थिति में शेष भूमि का भी मुआवजा दिया जाना चाहिए। 4) खेतों में जाने के लिए रेलवे के कारण रास्ते पानदन बंद हो जाएंगे, तो उन खेतों में जाने के लिए रास्ता बनाकर दिया जाना होगा। इन मांगो का ज्ञापन माननीय उपविभागीय अधिकारी गोंदिया को दिया जाएगा और 30 अगस्त तक मांगे पूरी नहीं की जाती है तो 31 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे कटंगी नाके पर बालाघाट रोड पर रास्ता रोको आन्दोलन किया जाएगा, इसमें किसी भी प्रकार की जनहानि के लिए रेल विभाग एवं शासन की जवाबदार होगी।

यह रहे उपस्थित..

आयोजित बैठक में प्रमुख रुप से अखिलेश सेठ के साथ ही नंदूभाऊ बिसेन, कार्तिक चौहान, सूरज बावनकर, ईश्वर उपवंशी, मानिकचंद भगत, सुरेश तिवड़े, कृष्णा बान्ते, रुपेश लिल्हारे, इमलाबाई लिल्हारे, हेमंत कुमार हनवते, राजु चन्नेकर, रविंद्र कुमार चिकलोंडे एवं कटंगी कला, नागरा हल्बी टोला सावरी के सैकड़ों भू धारक उपस्थित थे।

बोले अखिलेश सेठ..

स्थानीय नेता अखिलेश सेठ ने कहा कि भूमि अधिग्रहण मामले में भूमि मालिक किसान खुद को ठगा सा महसुस कर रहे हैं, तथा अत्यधिक आक्रोशित है। किसानों के हित में हमारी मांग है कि किसानों की मांग पर रेल विभाग सुनवाई कर उचित निर्णय ले, यदि किसानों की उचित सुनवाई कर उचित निर्णय नहीं लिया गया तो गंभीर परिस्थितियां निर्मित हो सकती है। अखिलेश सेठ ने यह भी बताया कि सभी भूमालिक किसान 24 अगस्त 2026 को गोंदिया उपविभागीय अधिकारी गोंदिया एवं रेल विभाग के प्रतिनिधि अधिकारी स्टेशन मास्टर गोंदिया को मांगो का सौंपने के लिये पहुंचेंगे, इसी के साथ किसान अपनी मांग क्षेत्र के नेता सांसद प्रफुल पटेल, सांसद राजेन्द्र जैन, विधायक विनोद अग्रवाल के समक्ष भी रखेंगे, ताकि उनकी फरियाद रेल विभाग तक पहुंचाई जा सके, एवं उचित निर्णय लिये जा सके।

स्वर्णकार समाज के उत्थान के लिये हर संभव सहयोग किया जायेगा-सांसद राजेन्द्र जैन

स्वर्णकार समाज गोंदिया द्वारा मनाई गई संत नरहरी जयंती..

मेधावी छात्र छात्राओं का किया गया सत्कार..

जगप्रेरणा गोंदिया।

स्वर्णकार सोनार समाज जिला गोंदिया की ओर से रिंग रोड स्थित सुवर्णकार समाज सांस्कृतिक भवन में संत नरहरी महाराज की जयंती के अवसर पर समाज के मेधावी विद्यार्थियों का सत्कार, वर-वधू परिचय सम्मेलन

तथा सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संत नरहरी सोनार महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि के रूप में सांसद राजेंद्र जैन उपस्थित रहे। उन्होंने समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए सुवर्णकार समाज की सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रगति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष सुरेश हर्षे, नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, गज्जू फुंडे, तुलसीराम बांगरे, केतन तुरकर, प्रदीप रोकड़े, मनीषा येरपुडे, उषाताई हर्षे, मैतुलाताई बिसेन, सुधाकर ढोमणे, मुक्तानंद ढोमणे, भजे साहेब, अमृतराव थानलकर, शैलेश वासनिक, सुनील पटले सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के साथ ही सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

जलेबीवाला प्रतिष्ठान गोंदिया के संचालक महेंद्रभाई हालाणी का दुखद निधन..

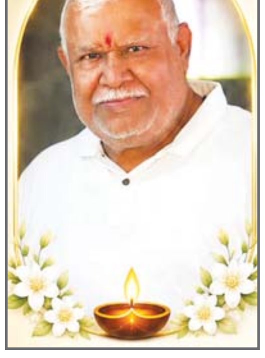

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर के मुख्य गंज बाजार में स्थित जलेबीवाला प्रतिष्ठान के संचालक महेन्द्रभाई ओधवजी भाई हालाणी का आज 23 अगस्त 2026 को 66 वर्ष की उम्र में दुखद निधन हो गया। जैसे ही श्री

परिवारजनों ने पूरा किया नेत्रदान का संकल्प,

आज होगा अंतिम संस्कार..

हालाणी के निधन की खबरें आई, हर कोई उनके स्नेहपूर्ण व्यवहार की याद में दुखी हो गया। परिवारजनों के लिये भी महेन्द्रभाई हालाणी का निधन बड़ा वज्रपात साबित हुआ, परंतु शोक की घड़ी में भी परिवारजनों ने स्व. महेन्द्रभाई हालाणी के नेत्रदान के संकल्प को पूरा किया, जिसमें गोंदिया विधानसभा ग्रुप के एडमिन सदस्य आदेश शर्मा एवं चिरागभाई पटेल, अजय यादव एवं सौ. सरिता कुलकर्णी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वहीं रीता अरोरा एवं भाविका बघेले के द्वारा नेत्रदान संकल्प को पूरा करने में सहयोग प्रदान किया गया। नेत्रदान संकल्प में प्रमुख भूमिका निभाने वाले गोंदिया विधानसभा ग्रुप के सदस्य आदेश शर्मा ने बताया कि पूज्य महेंद्रभाई ओधवजीभाई हालानी (जलेबीवाला) के निधन के उपरांत उनके बेटे मोहित एवं पत्नी रमिताबेन द्वारा नेत्रदान के पुनीत संकल्प को पूर्ण कराया गया।

आज होगा अंतिम संस्कार..

गौरतलब है कि स्व. महेन्द्रभाई हालाणी के दुखद निधन के उपरांत आज 24 अगस्त को उनके पार्थिव देह की अंतिम यात्रा प्रातः 9 बजे उनके रामनगर जलाराम मंदिर के समीप निवास स्थान से निकलेगी तथा स्थानीय मोक्षधाम में पार्थिव देह का अंतिम संस्कार किया जायेगा।

भारतीय विधवा महिला उत्थान फाउंडेशन की बैठक हुई आयोजित, निराश्रित महिलाओं के अधिकारों के लिये भव्य आंदोलन का ऐलान..

प्रदेश अध्यक्ष शीतल उबाळे व राष्ट्रीय सचिव रूपाली यादोराव उके के नेतृत्व में लिये गए निर्णय.. संगठन का किया गया विस्तार..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय विधवा महिला उत्थान फाउंडेशन गोंदिया के तत्वाधान में स्थानीय रेस्ट हाउस में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन की राष्ट्रीय सचिव एवं महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ की प्रभारी

कु. रूपाली यादोराव उके (पूर्व राष्ट्रीय पर्यवेक्षक महिला कांग्रेस एवं सांसद प्रतिनिधि महिला बाल विकास) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं, जबकि अध्यक्षता महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष कु. शितल उबाळे ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कु. शीतल उबाळे ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज के इस महंगाई के दौर में विधवा महिलाओं को दी जाने वाली नाम मात्र पेंशन उनके आत्मसम्मान के साथ खिलवाड़ है। इतने कम पैसों में जीवन यापन करना और परिवार का पेट पालना असंभव हो चुका है। सरकार या तो महिलाओं को सम्मानजनक पेंशन दे, वरना फाउंडेशन सड़क से लेकर संसद तक एक भव्य और ईंट से ईंट बजा देने वाला आंदोलन खड़ा करेगा।

बोली रुपाली उके..

राष्ट्रीय सचिव एवं प्रभारी कु. रूपाली यादोराव उके ने महिलाओं को संबोधित करते हुए आगामी रणनीति को स्पष्ट किया कि अब हम सिर्फ मांग पत्र और ज्ञापन देने तक सीमित नहीं रहेंगे। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से हर एक शोषित, विधवा और एकल महिला को एकजुट करके एक ऐतिहासिक और भव्य जन-आंदोलन का बिगुल फूंका जाएगा। जब तक हर पीड़ित महिला को उसका वाजिब हक, सुरक्षा और पेंशन में भारी वृद्धि नहीं मिल जाती, तब तक यह लड़ाई रुकने वाली नहीं है।

नई कार्यकारिणी का हुआ गठन, सौंपी गई जिम्मेदारी..

संगठन के विस्तार के तहत गोंदिया जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारियों की औपचारिक नियुक्तियां की गईं और सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसमें श्रीमती कुंदा अरविंद चंद्रिकापुरे को जिला अध्यक्ष (गोंदिया) मनोनित किया गया। इसी प्रकार प्रेमलता अनिल बोरकर को जिला उपाध्यक्ष (गोंदिया), चित्रा गजेंद्र लोखंडे को जिला सचिव (गोंदिया), सुषमा कडू पाटिल को शहर अध्यक्ष (गोंदिया), पदमा हीनदयाल उके को ग्रामीण अध्यक्ष (गोंदिया), मालती खुमेंद्र रहांगडाले को तालुका अध्यक्ष (गोरेगांव) एवं सुनिता वाघमारे को जिला पदाधिकारी / निवेदक मनोनित किया गया।

एकजुटता और आत्मनिर्भरता का संकल्पः

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की नीतियों का पालन करते हुए जिले की हर जरूरतमंद, विधवा व एकल महिला तक मदद पहुंचाने और आगामी भव्य आंदोलन को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया। बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाएं उपस्थित थीं।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र
- कमर का दर्द
- घुटनों का दर्द
- पिठ का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गठीया वात एवं सायटिका
- अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
- शास्त्रशुध्द एवं गुणवत्तायुक्त स्वनिर्मीत औषधियों का प्रयोग
- रोगी एवं व्याधी अनुरुप पंचकर्म सुविधा
डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com